READ INDIA

व्याकरण ज्योति

Class 6 - 8

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

READ INDIA
An Imprint of Vidyalaya Prakashan
An ISO 9001 : 2008 Certified Co.
NEW DELHI

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	व्याकरण ज्योति – VI	3
2.	व्याकरण ज्योति – VII	29
3.	व्याकरण ज्योति – VIII	59

व्याकरण ज्योति - 6

पाठ-1 भाषा, लिपि और व्याकरण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) हिंदी भाषा की
2. (स) पत्र लिखता एक लड़का
3. (स) तीन प्रकार से
4. (अ) भाषा
5. (ब) आज्ञा

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

कन्नड़ - कर्नाटक की मुख्य भाषा
लिपि - ध्वनि के रूप में प्रयुक्त चिह्न
देवनागरी - हिंदी भाषा की लिपि
रोमन - अंग्रेजी भाषा की लिपि

ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए :

1. भारतीय
2. हिंदुस्तान
3. हिंदी
4. देवनागरी
5. गर्व

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. सत्य

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. मन के भावों अथवा विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करने के साधन को हम भाषा कहते हैं। अत: भाषा हमारे विचारों का आदान-प्रदान करने का साधन है।
2. भाषा के तीन रूप हैं :
   - क. मौखिक भाषा
   - ख. लिखित भाषा
   - ग. सांकेतिक भाषा

   क. मौखिक भाषा:-अपने विचारों या भावों को बोलकर प्रकट करना मौखिक भाषा कहलाता है।

   ख. लिखित भाषा:-अपने विचारों या भावों को लिखकर प्रकट करना लिखित भाषा कहलाता है।

   ग. सांकेतिक भाषा:-अपने विचारों या भावों को संकेत द्वारा प्रकट करना सांकेतिक भाषा कहलाता है।
3. लिखित भाषा में ध्वनियों को व्यक्त करने के लिए कुछ चिह्न निश्चित होते हैं। इन्हीं चिह्नों को लिपि कहते हैं।
4. किसी भाषा को शुद्ध बोलना, शुद्ध लिखना तथा शुद्ध पढ़ना हम व्याकरण के नियमों से सीखते हैं। अत: व्याकरण के ज्ञान के बिना भाषा का शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता।
5. मानक भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए व्याकरण का अध्ययन आवश्यक होता है।

पाठ 2 : वर्ण-विचार

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) 6 2. (द) गृह 3. (द) इ
4. (अ) दो 5. (अ)औ

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

अल्पप्राण के व्यंजन - प, ब, म,
महाप्राण के व्यंजन-छ, झ, ठ
हिंदी के स्वर-अ, आ, ... 'ओर' शब्द में मात्रा-ो,
'अविचल' शब्द में मात्रा-ि

ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए :

1. स्वरों 2. शब्द 3. ग्यारह
4. भाषा 5. ध्वनियाँ

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. सत्य

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. हिंदी वर्णमाला के स्वर:-

   अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

   हिंदी वर्णमाला के व्यंजन :

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र

2. श्वास की मात्रा के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं :
   क. अल्पप्राण
   ब. महाप्राण

   क. अल्पप्राण व्यंजन : जिन व्यंजनों के उच्चारण में वायु कम मात्रा में निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवा वर्ण क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, म, तथा य, र, ल, व अल्पप्राण व्यंजन हैं।

   ख. महाप्राण व्यंजन : जिन व्यंजनों के उच्चारण में वायु अधिक मात्रा में मुख से बाहर निकलती है, उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ) तथा श, ष, स, ह महाप्राण व्यंजन हैं।

3. उच्चारण स्थान के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण

क्र. स.	व्यंजनों का प्रकार	व्यंजन	उच्चारण स्थान
1.	कण्ठय	क, ख, ग, घ	कंठ
2.	तालव्य	च, छ, ज, झ, य, श	तालु
3.	मूर्धन्य	ट, ठ, ड, ढ, ड़, ढ़, ष	मूर्धा
4.	दंत्य	त, थ, द, ध, न ल, स	दंत
5.	ओष्ठ	प, फ, ब, भ, म	दोनों होठों से
6.	नासिका	ङ, ञ, ण, न, म	नाक से
7.	वर्त्स्य	न, ल, र, ज, स	दाँतों के मूल से
8.	दंतोष्ठय	फ, ब, व	निचले होठ व ऊपरी दाँतों से

4. जब स्वर, व्यंजन से मिलते हैं तो उनका स्वरूप बदल जाता है। इस बदले को मात्रा कहते हैं। मात्रा, स्वर का ही रूप होता है और स्वरों की सहायता के बिना व्यंजनों को नहीं बोला जा सकता। स्वरों की संख्या 11 है, लेकिन मात्राएँ सिर्फ 10 स्वरों की होती है। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

व्यंजनों में मात्रा का प्रयोग

स्वर	मात्रा	उदाहरण	
अ	कोई मात्रा नहीं	कमल	
आ	ा	क + ा = का	(कागज)
इ	ि	क + ि = कि	(किला)
ई	ी	क + ी = की	(कील)
उ	ु	क + ु = कु	(कुल)
ऊ	ू	क + ू = कू	(कूड़ा)
ऋ	ृ	क + ृ = कृ	(कृपा)
ए	े	क + े = के	(केला)
ऐ	ै	क + ै = के	(कैसा)
ओ	ो	क + ो = को	(कोयल)
औ	ौ	क + ौ = कौ	(कौआ)

कितना सीखा?

निम्न तालिका से संयुक्त व्यंजन तथा संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को पृथक्-पृथक करके लिखो:-

संयुक्त व्यंजन : कक्षा, त्रिशूल, श्रमिक, ज्ञात

संयुक्ताक्षर : विद्या, बट्टा, विद्यालय, खट्टा, बच्चा, गन्ना, पक्का, द्वितीय, अड्डा, स्रोत, बल्ला, छज्जा, हल्ला, कुत्ता, दफ्तर, स्कूल

पाठ 3 : शब्द-विचार

क. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) सार्थक शब्द 2. (स) युग्म शब्द 3. (ब) ताँबा
4. (द) धैर्य 5. (स) चार 6. (द) प्रयोग

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

अ	ब
छत, पेड़, घड़ी	एकार्थी शब्द
अंतर, भेद, दूरी	अनेकार्थी शब्द
पावक, अग्नि, अनल	पर्यायवाची शब्द
अच्छा-बुरा, अधिक-कम,	विलोम शब्द
अनल-अनिल, अभिराम-अविराम	समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए :

1. तत्सम दधि, चंद्र, चूर्ण, कार्य
2. तद्भव दूध, आम, आग, मुक्ता, डंडा, घर, नाच
3. विदेशी गलीचा, केंची, बेगम, साबुन, पुलिस

घ. शब्दों के सही प्रकार पर सही का चिह्न (✓) लगाइए :

1. रूढ़ 2. निरर्थक 3. अविकारी
4. पर्यायवाची 5. तत्सम 6. देशज
7. युग्म शब्द

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. हिंदी व्याकरण का वह भाग जिसमें शब्द के शुद्ध उच्चारण, शुद्ध लेखन की विवेचना की जाती है, उसे शब्द विचार कहते हैं।
   रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं- (क) रूढ़ शब्द
   (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द
2. अर्थ के आधार पर शब्दों के छः भेद हैं -
   क. पर्यायवाची शब्द
   ख. विपरीतार्थक शब्द
   ग. समस्त भिन्नार्थक या श्रुतिसम
   घ. अनेकार्थी शब्द
   ङ. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द
   च. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
   अनेकार्थक शब्द की परिभाषा- कुछ शब्दों के अर्थ एक से अधिक अर्थात भिन्न-भिन्न होते हैं, अनेकार्थक (अनेकार्थी) शब्द कहलाते हैं।
3. समान भाव या अर्थ प्रकट करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
   जैसे - पुत्री - सुता, नंदिनी, बेटी
   देव - सुर, अजर, देवता, निर्जर
   घर - सदन, गृह, निकेतन, धाम
   ईश्वर - नारायण, दीनबंधु, भगवान, जगदीश
   पुष्प - फूल, कुसुम, सुमन, सार

4. देशज शब्द – खिचड़ी, लोट, जूता, गड़बड़।
विदेशी शब्द – अमीर, कुर्सी, जहाज, डॉक्टर

5. ऐसे शब्द जो पढ़ने और सुनने में एक समान प्रतीत होते हैं, परंतु जिनमें स्वर, मात्रा और व्यंजन में थोड़ा-सा अंतर होता है तथा उनके अर्थ में भी भिन्नता होती है, ऐसे शब्द समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अवधि	समय	अवधी	भाषा
अनिल	हवा	अनल	आग
चिर	पुराना	चीर	वस्त्र
धनु	धनुष	धेनु	गाय
अंस	कंधा	अंश	हिस्सा

6. ऐसे शब्द जिनका साधारणतः एक ही अर्थ होता है, ऐसे शब्दों को एकार्थी शब्द कहते है। उदाहरण – अनुरोध – विनती, उम्र – आयु आदि।
जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थात भिन्न-भिन्न अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं। उदाहरण – दल – पत्ता, समूह, सेना, पक्ष।
चीर – रेखा, वस्त्र, पटटी, चीरना आदि।

7. जिन शब्दों का रूप लिंग, वचन, काल और कारक के कारण परिवर्तित हो जाता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं, जैसे – मैं – मुझे, मेरा, अच्छा – अच्छी – अच्छे आदि।
जिन शब्दों के रूप में कोई विकार या परिवर्तन नहीं आता अविकारी शब्द कहलाते हैं। ऐसे शब्द प्रत्येक दशा में एक जैसे रहते है। जैसे – धीरे-धीरे, क्योंकि, के ऊपर, वाह!, तथा आदि।

च. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उपयुक्त शब्द चुनकर लिखिए :

1. आलोचक 2. अनंत 3. अहंकारी
4. उपर्युक्त 5. हस्तलिखित 6. हितैषी
7. जलचर 8. चरित्रवान

छ. नीचे दिए गए शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए :

1. अपनी इच्छा से सेवा करने वाला
2. जिसको जानने की इच्छा हो
3. सदा रहने वाला
4. ऐसा जो अंदर से खाली हो
5. बड़ा भाई
6. जिसे छुआ न गया हो

पाठ 4 : संज्ञा

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) जातिवाचक संज्ञा 2. (अ) मानव-मानवता
3. (अ) भाववाचक संज्ञा 4. (अ) धातुवाचक/द्रव्यवाचक
5. (ब) भाववाचक संज्ञा

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

अच्छा – अच्छाई	कायर – कायरता	सरल – सरलता
प्रसन्न – प्रसन्नता	मोटा – मोटाई	कोमल – कोमलता

ग. निम्नलिखित वाक्यों से संज्ञा शब्द छाँटकर उनके सामने संज्ञा के सही प्रकार लिखिए:

	संज्ञा	प्रकार
1.	हरि, कबड़्डी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	बचपन	भाववाचक संज्ञा
2.	गांधी जी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	अहिंसा	भाववाचक संज्ञा
3.	ताजमहल, आगरा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	इमारत	जातिवाचक संज्ञा
4.	रवि, मोहन	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	घर	जातिवाचक संज्ञा
5.	वैशाली	व्यक्तिवाचक संज्ञा

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. असत्य

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव अथवा गुण आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के पाँच प्रकार हैं :
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (ख) जातिवाचक संज्ञा, (ग) भाववाचक संज्ञा, (घ) समूहवाचक संज्ञा, (ड) द्रव्यवाचक संज्ञा
   व्यक्तिवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे:–सुभाषचंद्र बोस, जापान, श्रीकृष्ण, रामायण आदि।
3. **भाववाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से हमें गुण–दोष, भाव, धर्म, स्थिति तथा अवस्था आदि का बोध हो, वे शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं, जैसे:–मित्रता, मिठास, बुढ़ापा, बचपन, पशुता आदि।
4. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे:–सुभाषचंद्र बोस, जापान, श्रीकृष्ण, रामायण आदि।
   जातिवाचक संज्ञा : जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी की पूरी जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे:–घोड़ा, फूल, मनुष्य, वृक्ष आदि।
5. भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम विशेषण, क्रिया तथा क्रिया–विशेषण शब्दों से कर सकते हैं।

पाठ 5 : लिंग

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) पुल्लिंग 2. (ब) रानी 3. (ब) बुद्धिमान
4. (द) छिपाव, भराव

ख. नीचे लिखे शब्दों के लिंग बदलिए:-

वृद्ध	–	वृद्धा	चाचा	–	चाची
चूहा	–	चुहिया	शिष्य	–	शिष्या
लाला	–	ललाइन	लेखक	–	लेखिका
दास	–	दासी	बाबू	–	बबुआइन
पुत्र	–	पुत्री	लोटा	–	लुटिया
पापी	–	पापिन	छात्र	–	छात्रा
बूढ़ा	–	बुढ़िया	कुम्हार	–	कुम्हारिन
धोबी	–	धोबिन	सिंह	–	सिंहनी
सेठ	–	सेठानी	नौकर	–	नौकरानी
गायक	–	गायिका	शिष्य	–	शिष्या
पंडित	–	पंडिताइन	विद्वान	–	विदुषी

ग. उपयुक्त पर गोला बनाकर प्रत्येक के दो-दो उदाहरण लिखो :

1. पुल्लिंग	बुध	शुक्र
2. स्त्रीलिंग	गंगा	यमुना
3. पुल्लिंग	हिमालय	माउंटआबू
4. स्त्रीलिंग	हिंदी	पंजाबी
5. स्त्रीलिंग	देवनागरी	फारसी
6. पुल्लिंग	प्रशांत महासागर	हिंद महासागर
7. पुल्लिंग	नीम	आम
8. पुल्लिंग	हीरा	मोती

घ. नीचे लिखे शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखिए :

पुल्लिंग : पेड़, आसमान, पानी

स्त्रीलिंग : खिड़की, गाजर, यमुना, हँसी, परीक्षा

ङ. निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को कोष्ठक में दिये गये शब्दों के लिंग बदलकर पूरे कीजिए :

1. मामा 2. अध्यापक 3. शेरनी
4. मालिन 5. कलम 6. हाथी
7. चाचा जी 8. गाय 9. कुत्ता
10. मोर

च. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य
4. असत्य 5. सत्य 6. असत्य

छ. लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए :

1. छात्रा पढ़ रही है।
2. युवती ने बूढ़े को सड़क पार करवाई।

3. कवयित्री ने लोगों को कविताएँ सुनाई।
4. गुरु ने शिष्या को उपदेश दिया।
5. शेरनी ने खरगोश का शिकार किया।
6. गाय घास चर रही है।
7. अध्यापिका ने पाठ पढ़ाया।

पाठ 6 : वचन

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) घोड़ा 2. (अ) 2 3. (स) बहुवचन
4. (अ) मेजें 5. (ब) आदर के लिए 6. (अ) जनता

ख. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए :

कौआ	–	कौए	पंक्ति	–	पंक्तियाँ
पुस्तक	–	पुस्तकें	माला	–	मालाएँ
आँख	–	आँखें	सेना	–	सेनाएँ
कविता	–	कविताएँ	गाय	–	गायें
कपड़ा	–	कपड़े	किताब	–	किताबें
पेड़	–	पेड़	पेड़ पर	–	पेड़ों पर
नदी	–	नदियाँ	नदी का	–	नदियों का
हाथी	–	हाथी	हाथी ने	–	हाथियों ने
कवि	–	कवि	कवि ने	–	कवियों ने
फल	–	फल	फल का	–	फलों का
भालू	–	भालू	भालू ने	–	भालुओं ने
मित्र	–	मित्रगण	मित्र ने	–	मित्रों ने
छात्र	–	छात्रवृंद	छात्र को	–	छात्रों को

ग. कोष्ठक में दिए गए शब्द का उचित रूप भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1. लड़कियाँ 2. पेड़ 3. पुस्तकों
4. वृक्षों, कौए 5. कवि

घ. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए :

1. बालक पुस्तक पढ़ते हैं।
2. छात्राएँ लिखती हैं।
3. गायें घास चर रही हैं।
4. पेड़ों से पत्ते गिरते हैं।
5. चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।
6. मैंने पुस्तकें खरीदीं।
7. नानी ने कहानियाँ सुनाईं।
8. छात्रों ने चित्र बनाये।
9. बच्चों ने कविताएँ सुनाईं।
10. महिलाओं ने भाषण दिया।

ङ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं, जैसे:-माला, गाड़ी, बच्चा, चिड़िया आदि।

   जबकि संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं, जैसे:-मालाएँ, गाड़ियाँ, बच्चे, चिड़ियाँ आदि।

2. सदैव एकवचन में प्रयोग किए जाने वाले शब्द:-भीड़, पुलिस, जनता, आकाश, वर्षा, पानी, घी चाय, सत्य।

   सदैव बहुवचन के प्रयोग किए जाने वाले शब्द:-बाल, प्राण, आँसू, होश, हस्ताक्षर, प्राण, दर्शन।

3. एकवचन से बहुवचन बनाने के लिए निम्नलिखित परिवर्तन किए जाते हैं :

   क. अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'अ' हो तो बहुवचन में 'एँ' हो जाता है। उदाहरण:-आँख-आँखें, कलम-कलमें, बहन-बहनें आदि।

   ख. आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंत में 'आ' हो तो बहुवचन में 'ए' हो जाता है। उदाहरण:-घोड़ा-घोड़े, पंखा-पंखे, बेटा-बेटे आदि।

   ग. आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'आ' के स्थान पर 'एँ' हो जाता है। उदाहरण:-महिला-महिलाएँ, कविता-कविताएँ, छात्रा-छात्राएँ आदि।

   घ. इकारांत अथवा ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'इ' या 'ई' के स्थान पर 'याँ' लगा देने से और दीर्घ 'ई' को 'इ' कर देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं। उदाहरण:-जाति-जातियाँ, लड़की-लड़कियाँ, मक्खी-मक्खियाँ आदि।

   ङ. जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'या' हो तो बहुवचन में 'याँ' हो जाता है। उदाहरण:-चिड़िया-चिड़ियाँ, बुढ़िया-बुढ़ियाँ, गुड़िया-गुड़ियाँ, आदि।

   च. शब्द के अंत में उ, ऊ और और के साथ 'एँ' लगा देते हैं और 'ऊ' के स्थान पर 'उ' हो जाता है। उदाहरण :

   ऋतु-ऋतुएँ, वस्तु-वस्तुएँ, वधू-वधुएँ, जूँ-जुएँ आदि।

   छ. कुछ शब्दों के अंत में गण, वृंद, जन, वर्ग आदि विशेष शब्द जोड़कर एकवचन को बहुवचन में परिवर्तित किया जाता है। उदाहरण:-बालक-बालकगण, नेता-नेतागण, छात्र-छात्रवृंद, मजदूर-मजदूरवर्ग, गुरु-गुरुजन आदि।

पाठ 7 : सर्वनाम

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) निजवाचक
2. (अ) प्रश्नवाचक सर्वनाम
3. (ब) संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द
4. (ब) जैसा करोगे वैसा भरोगे

5. (ब) छः प्रकार के

ख. उचित सर्वनाम द्वारा वाक्य पूरे कीजिए तथा भेद भी लिखिए :

1. उसकी–अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम,
2. अपनी–अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
3. मैं–उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम,
4. जिसकी, उसकी – संबंधवाचक सर्वनाम
5. उसे–अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
6. मैं, तुम–उत्तम तथा मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम,
7. कोई–अनिश्चयवाचक सर्वनाम
8. जैसा, वैसा – संबंधवाचक सर्वनाम
9. कोई–अनिश्चयवाचक सर्वनाम
10. कुछ–अनिश्चयवाचक सर्वनाम
11. स्वयं–निजवाचक सर्वनाम
12. कुछ–अनिश्चयवाचक सर्वनाम
13. हम–उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
14. वह–निश्चयवाचक सर्वनाम
15. वह–अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

ग. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पदों के सर्वनाम का भेद बताइए :

1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
2. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
3. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. संबंधवाचक सर्वनाम
7. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम
8. संबंधवाचक सर्वनाम
9. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
10. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

घ. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम संबंधी अशुद्धियाँ दूर कीजिए :

1. मुझे बाजार जाना है।
2. किसी को बुला लाओ।
3. तुम अपना काम करो।
4. आप वहाँ गये थे।

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
2. सर्वनाम के निम्नलिखित छः भेद हैं:-
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम:-मैं, हम, तुम, आप, वह, यह, ये, वे आदि पुरुषवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

      पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं:-(क) उत्तम पुरुषवाचक

सर्वनाम, मैं, हम, हमारा, मेरा आदि उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

उदाहरण : हम सब भारतवासी हैं।
मैं घूमने जाऊँगा।

ख. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम:-आप, तुम, तुम्हें, तू, तेरा आदि मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

उदाहरण : तुम शोर कम किया करो।
आप जा सकते हैं।

ग. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम : वह, वे, उसका, उसकी, उनका, आदि अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

उदाहरण : वह अभी तक सो रहा है।
वे सज्जन पुरूष हैं।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम:-यह, वह, ये, वे निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

उदाहरण : यह मेरी सखी है।
वे विदेशी हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-कोई, किसी, कुछ, अनिश्चयवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

उदाहरण : दरवाजे पर कोई खड़ा है।
कुछ खाने के लिए दीजिए।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम:-कब, कहाँ, कौन, किसके, क्या आदि प्रश्नवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

उदाहरण : गाना कौन गा रहा है?
तुम क्या कर रहे हो ?

5. संबंधवाचक सर्वनाम:-जो-सो, जैसा-वैसा, जिसकी-उसकी, आदि संबंधवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

उदाहरण : जो जैसा करेगा वैसा भरेगा।
जिसकी लाठी उसकी भैंस।

6. निजवाचक सर्वनाम:-स्वयं, अपने आप, खुद आदि निजवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

उदाहरण : अपना काम स्वयं करो।
अपने आप को सुधारो।

पाठ 8 : कारक

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) वस्तु से संबंध प्रकट होने का
2. (अ) अधिकरण कारक
3. (स) का, की, के
4. (स) संबोधन कारक का,

ख. नीचे दिए गए वाक्यों में, रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न लिखिए :

1. ने, 2. को, 3. से, के साथ, के द्वार,
4. के लिए, को 5. से (पृथक) 6. का, के, की
7. में, पर 8. हे !, हरे !,

ग. रिक्त स्थानों में उचित परसर्ग (कारक चिह्न लिखकर, कारक का नाम भी लिखिए :

1. का, में 2. ने, को 3. में,
4. की

घ. निम्नलिखित वाक्यों को उनके उचित कारक भेद के अनुसार मिलान कीजिए :

1. (ग) संबोधन कारक 2. (घ) अधिकरण कारक
3. (क) संप्रदान कारक 4. (ख) कर्ता कारक

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य का संबंध अन्य शब्दों के साथ स्थापित हो, उसे कारक कहते हैं।

   कारकों को प्रकट करने वाले चिह्नों को कारक चिह्न या विभक्ति चिह्न या परसर्ग कहते हैं।

	कारक	चिह्न	उदाहरण
1.	कर्ता	ने	राहुल ने कविता सुनाई।
2.	कर्म	को	माँ अपने पुत्र को डाँटती है।
3.	करण	से	बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
4.	संप्रदान	को, के लिए	मेहमानों के लिए पानी लाओ।
5.	अपादान	से	वह छत से कूद पड़ा।
6.	संबंध	का, की, के	सेना के जवान जा रहे हैं।
7.	अधिकरण	में, पर	चारपाई आँगन में रखी है।
8.	संबोधन	हे !, अरे !	अरे ! शोर मत करो।

2. किताब के पेज 47 से देखें।
3. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया करने वाले का बोध होता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं अर्थात् क्रिया करने वाले को कर्ता कहते हैं। कर्ता कारक का कारक चिह्न 'ने' है। जबकि जिस शब्द पर क्रिया का फल (प्रभाव) जिस संज्ञा या सर्वनाम पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्म कारक का चिह्न 'को' है।
4. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु या व्यक्ति के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसके कारक चिह्न में, पर है।

   उदाहरण : पेड़ पर पक्षी बैठे हैं। मछली पानी में रहती है।

च. निम्नलिखित कारकों से संबंधित एक-एक वाक्य की रचना करें-

1. माँ ने खाना बनाया।
2. राम को बुलाकर लाओ।
3. वह नई गाड़ी से लखनऊ गया।

4. पिताजी मेरे लिए समोसे लाए।
5. बच्चा छत से गिर गया।
6. मौसी की नई साड़ी गुम गयी।

पाठ 9 : विशेषण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) विशेष्य
2. (ब) परिमाणवाचक
3. (द) गुणवाचक विशेषण
4. (स) अनेक

ख. नीचे लिखे शब्दों से विशेषण बनाइए :

भारत	–	भारतीय	चाचा	–	चचेरा
चमक	–	चमकीला	विदेश	–	विदेशी
लोक	–	लौकिक	ज्ञान	–	ज्ञानी
खाना	–	खाऊ	राष्ट्र	–	राष्ट्रीय
जाति	–	जातीय	प्यास	–	प्यासा
आदर	–	आदरणीय	दान	–	दानी
लालच	–	लालची	अपमान	–	अपमानित
जोश	–	जोशीला	मामा	–	ममेरा
प्रकृति	–	प्राकृतिक	जहर	–	जहरीला
धन	–	धनी	दया	–	दयालु
अंत	–	अंतिम	ऊपर	–	ऊपरी
भूगोल	–	भौगोलिक	नमक	–	नमकीन
परिवार	–	पारिवारिक	श्रम	–	श्रमित
सुर	–	सुरीला	साहित्य	–	साहित्यिक
संस्कृति	–	सांस्कृतिक	स्वर्ण	–	स्वर्णिम
लोक	–	लौकिक,	मास	–	मासिक
लड़ना	–	लड़ाकू	इच्छा	–	ऐच्छिक
देश	–	देशी	पूजा	–	पूज्नीय
संसार	–	सांसारिक	शरीर	–	शारीरिक
कौन	–	किसका	दो	–	दूसरा
दिन	–	दैनिक	स्थान	–	स्थानीय
साहस	–	साहसी	स्वाद	–	स्वादिष्ट
ग्राम	–	ग्रामीण	नीति	–	नैतिक

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर उसके भेद लिखिए :

1.	कुछ	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
2.	चार लीटर	निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
3.	तीन	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
4.	अच्छे	गुणवाचक विशेषण
5.	मीठी	गुणवाचक विशेषण

6. पाँच किलो — निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
7. कोई — अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
8. बहुत — अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
9. यह — संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण
10. ईमानदार — गुणवाचक विशेषण

घ. विशेषण तथा विशेष्य छाँटकर अलग-अलग शीर्षक के नीचे लिखिए :

	विशेषण	**विशेष्य**
1.	पचास	सेब
2.	खाली	कमरा
3.	मोटा	लड़का
4.	सुंदर	लड़की
5.	खोटा	सिक्का

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जो शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। विशेषण के निम्नलिखित चार प्रकार हैं:-
    1. गुणवाचक विशेषण
    2. परिमाणवाचक विशेषण
    3. संख्यावाचक विशेषण
    4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण।
2. गुणवाचक विशेषण : जो विशेषण शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, आकार,स्वाद, स्थिति का ज्ञान कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे:-चालाक, सुंदर, हरा, खट्टा, मोटा, लंबा आदि।

    परिमाणवाचक विशेषण:-जिस विशेषण से किसी वस्तु के परिमाण (मात्रा) या नाप-तौल का बोध होता है, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे:-दो मीटर कपड़ा, थोड़ा पानी आदि।
3. निश्चित संख्यावाचक विशेषण : जो विशेषण शब्द संज्ञा की निश्चित संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे:-पाँच घोड़े, दस विद्यार्थी आदि।

    अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण : जो विशेषण शब्द संज्ञा की निश्चित संख्या का बोध नहीं कराते, उन्हें अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं, जैसे-कुछ फल, अनगिनत तारे आदि।
4. जो शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं, परंतु विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताते हैं, उसे विशेष्य कहते हैं।

    उदाहरण:-

विशेषण	विशेष्य
मीठे	आम
थोड़ा	पानी

पाठ 10 : क्रिया

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) जिन शब्दों से कार्य करने या होने का बोध हो

2. (स) सकर्मक क्रिया
3. (स) सकर्मक क्रिया
4. (ब) धातु

ख. क्रिया शब्द छाँटिए और उसके भेद लिखिए :

1. हँस रहे हैं, अकर्मक क्रिया
2. लिखती है, सकर्मक क्रिया
3. है, अकर्मक क्रिया,
4. चलाई, सकर्मक क्रिया
5. बुला रही हैं, अकर्मक क्रिया
6. तैर रही है, अकर्मक क्रिया
7. जाता है, अकर्मक क्रिया
8. पढ़ाते हैं, सकर्मक क्रिया
9. हैं, अकर्मक क्रिया
10. खरीदा, सकर्मक क्रिया
11. बैठे हैं, अकर्मक क्रिया
12. चला रहा है, सकर्मक क्रिया
13. रोती है, अकर्मक क्रिया
14. बोलता है, अकर्मक क्रिया

ग. नीचे गद्यांश में आए क्रिया पदों पर गोला बनाइए :

स्नान करने, बढ़ गए, पहुँचकर, पता चला, रुक गए, पहचान ली, हिनहिनाया, दौड़ते हुए, घुसे, लिपट गए, बोले, मोड़ेगा

घ. क्रिया धातु के उचित रूप से वाक्यों को पूरा कीजिए :

बुलाकर, बैठो, करेंगे, पढ़ेंगे।

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना पाया जाता है, उसे क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के निम्नलिखित दो भेद हैं :

   1. सकर्मक क्रिया:-वह क्रिया जिसके साथ कर्म की आवश्यकता होती है, सकर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण:-राधा खाना खाती है।

   2. अकर्मक क्रिया:-वह क्रिया जिसके साथ कर्म नहीं होता, अकर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण:-राधा खाती है।
3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं अर्थात् जिन मूल अक्षरों से क्रियाएँ बनती हैं। उन्हें क्रिया का धातुरूप कहते है। उदाहरण:-लिख, पढ़, जा, खा, देख आदि। इन्हीं धातुओं से लिखना, पढ़ना, जाना, खाना, देखना क्रियाएँ बनी हैं।
4. अकर्मक क्रिया:-वह क्रिया जिसके साथ कर्म नहीं होता, अकर्मक क्रिया कहलाती है।

   उदाहरण:- लड़का सोता है। राधा गाती है। वह चिल्लाती है।
5. सकर्मक क्रिया:-वह क्रिया जिसके साथ कर्म की आवश्यकता होती है, सकर्मक क्रिया कहलाती है।

   उदाहरण : राहुल ने रसगुल्ला खाया।
   नौकर ने घर की सफाई की।
   बच्चे ने खिलौने तोड़ दिए।

पाठ 11 : काल

क. नीचे लिखे वाक्यों में योग्य क्रिया किसी भी काल में लिखकर वाक्यों को पूरा करो :

1. गए
2. लेंगे
3. बैठे हैं

4. लिखते हैं 5. पढ़ाते हैं 6. करेंगे
7. भागे 8. पढ़ाते हैं 9. बुलाते हैं।

ख. नीचे दिए गए वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलो :

1. मैं अगले महीने दिल्ली जाऊँगा।
2. मैं कल चिट्ठी लिखूँगा।
3. मैं शाम में पढ़ा।
4. वे अगले हफ्ते दिल्ली जाएँगे।
5. हम सुबह पेड़ पर चढ़े।
6. मैं अगले साल घर वापिस आऊँगा।
7. तुम दोपहर में फल खाओ।
8. बीती रात चूहा अलमारी में घुस गया।
9. पिताजी मेरे लिए अगले महीने एक उपहार भेजेंगे।

पाठ 12 : क्रिया विशेषण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) कार्य के करने की विधि का
2. (द) रीतिवाचक
3. (अ) कालवाचक
4. (अ) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को
5. (अ) रीतिवाचक

ख. खाली जगह में उचित क्रिया/विशेषण शब्द भरिए :

1. धीरे 2. तेज 3. धीरे-धीरे
4. ध्यानपूर्वक 5. सीधे

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर लिखिए :

1. शाम
2.
3. नीचे
4. ऊपर
5. लँगड़ाकर

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रिया विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं :
   1. स्थानवाचक क्रिया विशेषण 2. कालवाचक क्रिया विशेषण
   3. परिमाणवाचक क्रिया विशेषण 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण
3. संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे:-**लाल** साड़ी, **मोटा** बच्चा, **दो** रुपये, आदि।
   जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।
   उदाहरण : चीता **तेज** दौड़ता है।
   कल मेरा पेपर हैं।
   मैं **वहाँ** नहीं जाऊँगा।

4. काल वाचक क्रिया विशेषण के कोई चार शब्द–आज, अब, अभी–अभी, कभी

वाक्य प्रयोग

आज : आज बरसात होगी।
अब : अब वह रोएगा।
अभी–अभी : वह अभी–अभी स्टेशन जाने के लिए निकला है।
कभी : मोहित कभी भी मेरे घर नहीं आया।

5. धीरे–धीरे : बच्चा धीरे–धीरे चलता है।
कल : कल मेरा जन्मदिन है।
कम : तुम्हें कम बोलना चाहिए।
परसो : परसों अनीता की शादी है।
अंदर : दूल्हा, अंदर जाकर बैठ गया।

ड. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. जैसा करोगे वैसा भरोगे।
2. हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए।
3. जल्दी चलें, वरना रेलगाड़ी छूट जाएगी।
4. महात्मा गांधी हिंसा के खिलाफ थे।
5. हाय! कितनी गर्मी है।
6. मेरे अलावा इस कार्य को कोई कर ही नहीं सकता।

पाठ 13 : संबंधबोधक

क. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों को छाँटकर सामने लिखो :

1. के आगे 2. के सामने 3. के बिना
4. के ऊपर 5. अपेक्षा

ख. खाली जगह में उचित संबंधबोधक शब्द भरिए :

1. नीचे 2. बिना 3. पास
4. सामने 5. नीचे

ग. निम्नांकित वाक्यों में से संबंधबोधक संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य पुनः लिखिए :

1. मोहित के साथ मोहन बाजार नहीं जाएगा।
2. मैं बस के द्वारा विद्यालय पहुँचा।
3. लड़का छत के ऊपर खड़ा पतंग उड़ा रहा है।
4. सुरेश के सामने मेरी क्या औकात।
5. बेटे के आगे पैसा कुछ भी नहीं।
6. सहपाठियों से पहले काम समाप्त कर लो।

घ. मिलान करो :

1. पहले, पीछे, उपरान्त, आगे
2. सामने, भीतर, निकट, यहाँ
3. आसपास, ओर, पार, तरफ,

4. भाँति, समान, तुल्य, योग
5. द्वारा, सहारे, माध्यम,
6. विषय, भरोसे, बाबत, नाम
7. विपरीत, विरुद्ध, खिलाफ, उल्टे
8. साथ, संग, सहचर
9. सिवा, लिए, कारण, वास्ते
10. अपेक्षा, आगे, सामने

ङ. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1. जो शब्द वाक्य में आए संज्ञा/सर्वनाम शब्दों का एक-दूसरे से संबंध बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक शब्द कहते हैं, जैसे:-के आगे, के पीछे, के बीच में, के बाद, के नीचे आदि।

   उदाहरण : 1. मेरे घर के पीछे मंदिर है।
   2. ज्ञान के बिना सम्मान नहीं मिलता।
   3. पेड़ के नीचे गाय है।

   जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं कि क्रिया कब, कहाँ, केसे तथा कितनी हो रही है, उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं, जैसे- भीतर, बाहर, नीचे, सामने, ऊपर, आदि।

   उदाहरण: 1. लोग बाहर चले गए।
   2. बच्चे भीतर खेल रहे हैं।
   3. वह मेरे पीछे भागा।

2. वे शब्द जो वाक्य में आए संज्ञा/सर्वनाम का अन्य शब्दों के साथ संबंध बताते हैं, उन्हें संबधबोधक अव्यय कहते हैं। इन शब्दों को परसर्ग भी कहा जाता है। जैसे:-के पास, के ऊपर, से दूर, के कारण, के लिए, की ओर, की जगह आदि।

   उदाहरण : विद्यालय के सामने बगीचा है।
   जंगल के पीछे नदी बहती है।
   दुकान के भीतर बैठो।

3. संबंधबोधक के भेद निम्नलिखित हैं :
   1. स्थानवाचक संबंधबोधक
   2. दिशाबोधक संबंधबोधक
   3. कालवाचक संबंधबोधक
   4. साधनवाचक संबंधबोधक
   5. कारणवाचक संबंधबोधक
   6. सीमावाचक संबंधबोधक
   7. विरोधसूचक संबंधबोधक
   8. समतासूचक संबंधबोधक

पाठ 14 : समुच्चयबोधक अव्यय

क. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त समुच्चयबोधक का प्रयोग कीजिए :

1. तो
2. या
3. या
4. तो
5. ताकि

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक अव्यय छाँटिए :

1. तो
2. या, या
3. इसलिए
4. और
5. पर

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. वे अव्यय शब्द जो दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं। जैसे:-किंतु, तथा, यदि, और, मगर, लेकिन, इसलिए, क्योंकि आदि।

   उदाहरण : विकास और मोहन बहुत अच्छे मित्र हैं।

   अजय ने परीक्षा के लिए बहुत मेहनत की लेकिन प्रथम नहीं आ सका।

2. समुच्चयबोधक अव्यय के भेद:-समुच्चयबोधक अव्यय के दो भेद हैं:-

   1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक:-ये चार प्रकार के होते हैं:-

      क. संयोजक:-और, तथा, व एवं आदि।

      ख. विकल्पसूचक या विभाजक:-या, अथवा, चाहे आदि।

      ग. विरोधसूचक:-पर, परंतु, मगर, किंतु, लेकिन, अपितु आदि।

      घ. परिणामसूचक:- अत:, अतएव, इस कारणए नहीं तो आदि।

   2. व्याधिकरण समुच्चयबोधक:-ये चार प्रकार के होते हैं:-

      क. कारणबोधक:-कि, चूंकि, क्योंकि, इसलिए।

      ख. संकेतबोधक:-यद्यपि, यदि, तो, तथापि।

      ग. उद्देश्यबोधक:-ताकि, जिससे कि, कि, जो

      घ. स्वरूपबोधक:-मानो, यानि, अर्थात।

पाठ 15 : विस्मयादिबोधक

क. उपयुक्त विस्मयादिबोधक शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1.	छि:!	2.	अरे!,	3.	अहा!
4.	क्या!	5.	ओह!	6.	वाह!
7.	अहा!	8.	शाबाश!		

ख. निम्नलिखित वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्दों को छाँटकर लिखिए :

1.	क्या!	2.	छि:	3.	अहा!
4.	बाप रे बाप!	5.	हाय!	6.	जियो!
7.	अहा!				

ग. निम्नलिखित विस्मयादिबोधक शब्दों से वाक्य बनाइए :

1. अति सुंदर! तुमने तो बहुत अच्छा चित्र बनाया।
2. होशियार ! वह तुम्हारे गहनें चुरा सकता है।
3. धिक्! नींद में मैं पलंग से गिर गया।
4. जी हाँ ! मैं ही उसका पति हूँ।
5. हे राम ! बहुत बुरा हुआ।
6. बाप रे ! इतना बड़ा उत्तर याद करना पड़ेगा।
7. क्या खूब ! अमित ने सभी प्रश्न हल कर दिये।
8. क्या! वह फेल हो गया।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. वह शब्द जिससे हर्ष अर्थात् खुशी, शोक अर्थात दुख, आश्चर्य, विस्मय,

घृणा, प्रशंसा, भय, आशीर्वाद आदि भावनाओं का भाव प्रकट हो, विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाता है। जैसे:-अरे!, हाय!, शाबाश!, वाह!, ओह!, छि!, आदि।

उदाहरण : 1. हाय! यह क्या हो गया।
2. शाबाश! तुम बहुत अच्छा खेले हो।
3. ओह! मैं अपना पर्स घर पर भूल गया।

2. भयबोधक विस्मयादि अव्यय:-ये ऐसे शब्द होते हैं, जिसे भय का भाव प्रकट होता है। जैसे:-बाप रे बाप!, ओह!, हाय! आदि।

उदाहरण : 1. बाप रे बाप ! तुमको इतना किसने मारा।
2. हाय ! बच्चा झूले से गिर गया।

शोकबोधक विस्मयादि अव्यय:-जिन शब्दों से शोक की भावना व्यक्त की जाती है, उन्हें शोकबोधक विस्मयादि अव्यय कहते हैं। जैसे:- हाय!, हे राम!, बाप रे!, ओह!, आह! आदि।

उदाहरण : 1. हे राम ! मोहन की माताजी के साथ यह क्या हो गया।
2. बाप रे ! तुमको किसने पीटा?

पाठ 16 : विराम चिह्न

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) उद्धरण
2. (स) सात
3. (स) विश्राम अथवा रूकना
4. (अ) उद्धरण
5. (ब) किसी बात को समझाने के लिए
6. (द) अल्प विराम
7. (द) प्रश्न चिह्न
8. (द) लाघव चिह्न
9. (द) विस्मयसूचक चिह्न
10. (द) ''....''

ख. स्वंय कीजिए।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में सही-सही विराम चिह्न लगाकर वाक्यों को पुनः लिखिए :

1. उफ! कितनी गर्मी है।
2. आप कहाँ जा रहे हैं?
3. राजू, गोपाल और उनके अन्य साथी आज दिल्ली जा रहे हैं।
4. हम सभी को सुख-दुख भोगना पड़ता है।
5. नई दिल्ली, जो हमारे देश की राजधानी है, भारत के उत्तर में है।
6. राम, तुम आज कहाँ जाओगे?
7. रमेश ने कहा, ''मैं अब कभी नकल नहीं करूँगा।''

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।
2. प्रमुख रूप से विराम चिह्न निम्नलिखित बारह प्रकार के होते हैं:-
   1. पूर्ण विराम चिह्न (।)

      उदाहरण : 1. वह घर जा रहा है।
      2. उसने पत्र लिख दिया है।
      3. बच्चा गिर गया।

2. अद्‌र्ध विराम (;)

उदाहरण : 1. जो मेहनती होता है, उसके रास्ते में उतनी ज्यादा कठिनाइयाँ आती हैं।

2. उसने समय से स्टेशन पहुँचाने की कोशिश की; किंतु ट्रेन चली गई।

3. मेहमान आ गए है; वह शीध्र चले जाएँगे।

3. अल्प विराम (,)

उदाहरण : 1. हाँ, वह मेरा भाई है।

2. मैं आज स्कूल नहीं जाऊँगा, क्योंकि मेरी तबीयत खराब है।

3. सीमा अपने पति, बच्चों, सास-ससुर और माता-पिता के साथ ताजमहल देखने गई।

4. प्रश्न चिह्न (?):-

उदाहरण : 1. क्या वह सच बोल रहा है?

2. तुम कहाँ रहते हो ?

3. तुम कौन हो?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)

उदाहरण : 1. आह ! कितना बढ़िया मौसम है।

2. वाह ! आप केसे पधारे।

3. ओह ! उसके पैर में मोच आ गई।

6. उद्‌धरण चिह्न (‘‘ ’’)

उदाहरण : 1. बाल गंगाधर तिलक ने कहा, ‘‘स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्‌ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा।’’

2. गांधी जी ने कहा, ‘‘सदा सत्य बोलो।’’

3. महावीर जी ने कहा, ‘‘अहिंसा परमो धर्म।’’

7. उपविराम (:)

उदाहरण : 1. शीर्षक:-माँ : ममता का आँचल

2. जैसे: ‘सुमन’ शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

3. विज्ञान : वरदान या अभिशाप

8. निर्देशक चिह्न (-)

उदाहरण : 1. ‘‘तुम्हें एक अच्छा नागरिक बनना है’’-परिश्रम व लगन से।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

3. वाक्य के दो अंग हैं- 1. उद्‌देश्य, 2. विधेय

9. योजक चिह्न (-)

उदाहरण : 1. जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते ही हैं।

2. मुझे मक्खन-मलाई खाना पसंद है।

3. कम-से-कम वह तुम्हें घुमाने तो ले गया।

10. विवरण चिह्न (:-)

उदाहरण : 1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:-
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया।

2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं:-सकर्मक क्रिया, अकर्मक क्रिया।

3. संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं:-व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

11. लाघव चिह्न (०):

उदाहरण : 1. कृ० प० उ० अर्थात् कृपया पृष्ठ उलटिये।

2. प्रो० अर्थात प्रोफेसर

3. पं० (पंडित का संक्षिप्त रूप)

12. हंस पद (‸)

उदाहरण : 1. मुझे ‸घर जाना पड़ेगा।

2. वह ‸सेब खाना भूल गया।

3. सभी ‸छात्र समय पर स्कूल पहुंचेंगे।

3. उद्धरण चिह्न (‘‘ ’’) :- जब हम किसी अन्य व्यक्ति की बात को ज्यों-का-त्यों लिखते हैं, तब उस वाक्य को इस चिह्न के अंदर लिखते हैं। जैसे-

उदाहरण : गांधी जी ने कहा, ‘‘सदा सत्य बोलो।’’

विवरण चिह्न (:-) :- जब किसी विषय का विवरण अगली पंक्ति से देना हो, तब इस चिह्न का प्रयोग करते हैं।

प्रश्न विराम चिह्न (?)

उदाहरण : 1. वे लोग कहाँ जा रहे हैं।

2. क्या तुम कल नहीं जाओगे?

4. पूर्ण विराम (।) का प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है, जहाँ वाक्य समाप्त हो रहा हो।

पाठ 17 : संधि

क. नीचे दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

सदैव	= सदा + एव	परमेश्वर	= परम् + ईश्वर
महौज	= महा + ओज	बालेन्द्र	= बाल + इंद्र
वार्तालाप	= वार्ता + आलाप	मुनीन्द्र	= मुनि + इंद्र
गणेश	= गण + ईश	महात्मा	= महा + आत्मा
यद्यपि	= यदि + अपि	जगदीश	= जगत् + ईश
देवर्षि	= देव + ऋषि	विद्यालय	= विद्या + आलय

ख. संधि कीजिए :

निः + सार = निस्सार	निः + उपाय = निरुपाय
निः + तेज = निस्तेज	तपः + भूमि = तपोभूमि
सरो + ज = सरोज	मनः + रथ = मनोरथ

परि + मान = परिमाण　　निर + रोग = निरोग
निः + सार = निस्सार　　परिः + नाम = परिनाम

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. 'संधि' शब्द का अर्थ है–मेल या जोड़ा। दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, वह संधि कहलाता है।
2. संधि के तीन भेद हैं:–

क. स्वर संधि –	विद्या + अर्थी	= विद्यार्थी
	शिव + आलय	= शिवालय
	महा + ईश	= महेश
	गिरि + ईश	= गिरीश
ख. व्यंजन संधि –	सम् + गम	= संगम
	जगत् + ईश	= जगदीश
	दिक् + गज	= दिग्गज
	उत् + नति	= उन्नति
ग. विसर्ग संधि :	निः + आशा	= निराशा
	नमः + ते	= नमस्ते
	अधः + गति	= अधोगति
	निः + छल	= निश्छल

3. किसी व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।
   उदाहरण:– सत् + आचार = सदाचार,　　सत् + भावना = सद्भावना
   वाक् + ईश = वागीश,　　सत् + जन = सज्जन
4. विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन वर्ण के आने पर विसर्ग में जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।
   उदाहरण : तपः + वन – तपोवन　　अधः + गति – अधोगति
   मनः + बल – मनोबल　　निः + धन – निर्धन

पाठ 18 – उपसर्ग एवं प्रत्यय

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) सु
2. (द) वे शब्दांश जो शब्द से पहले लगकर अर्थ परिवर्तित करते हैं।
3. (द) प्रतिकूल
4. (अ) दो
5. (स) संस्कृत भाषा का है

ख. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए :

1. आई　　2. इक　　3. आ
4. आर　　5. कार

ग. नीचे कुछ प्रत्यय तथा उनके प्रकार दिए गए हैं, इन्हें सुमेलित कीजिए :

क्षमावान, दयावान, भाग्यवान – वान प्रत्यय वाले शब्द
गहनता, समानता, कायरता – ता प्रत्यय वाले शब्द

ईमानदार, दुकानदार, हवलदार – दार प्रत्यय वाले शब्द
खिंचाई, लड़ाई, मिठाई – आई प्रत्यय वाले शब्द
क्षमाशील, सहनशील – शील प्रत्यय वाले शब्द

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. असत्य 5. सत्य 6. सत्य

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए :

1. उपसर्ग 2. अति अपसर्ग 3. उपसर्ग
4. सह उपसर्ग

च. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :

1. ऐसे शब्दांश जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके मूल शब्द के अर्थ में विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे, उपसर्ग कहलाते हैं।
   हिंदी के पाँच उपसर्ग तथा उनका वाक्य प्रयोग :
   1. अध + मरा = अधमरा = मैंने बाहर सड़क पर एक अधमरा कुत्ता देखा।
   2. कु + रूप = कुरूप = रमा की बेटी तो बहुत कुरूप है।
   3. भर + पेट = भरपेट = मैंने अपने मित्र की शादी में भरपेट खाना खाया।
   4. ति + रंगा = तिरंगा = हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा कहते हैं।
   5. न + आस्तिक = नास्तिक = मेरे कई मित्र नास्तिक हैं।
2. प्रत्यय वे शब्द होते हैं, जो दूसरे शब्दों के अंत में जुड़कर अपनी प्रकृति के अनुसार शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।
   उदाहरण : लघु + ता – लघुता पढ़ + आकू – पढ़ाकू
   समाज + इक – सामाजिक सुगंध + इत – सुगंधित
   चमक + ईला – चमकीला

छ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए :

1. मरा हुआ, मृत 2. अपयश, बदनामी
3. जन्म रहित 4. अपमान, तिरस्कार
5. अनुकरण करने योग्य 6. खुशबू

ज. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. रमेश एक ईमानदार लड़का है।
2. जिन वस्तुओं में जान नहीं होती है, उन्हें निर्जीव कहते हैं।
3. कृतिका के चेहरे से भोलापन झलकता है।
4. कोयल सुरीला गाती है।

पाठ 19 : मुहावरे

क. निम्नलिखित शब्दों में सही शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) एकमात्र सहारा 2. (ब) शर्म से झुक जाना
3. (द) याद रखना 4. (अ) एक हो जाना

5. (द) अत्यंत प्रसन्नता मनाना
6. (अ) बुराई करना
7. (ब) क्रोध प्रकट करना
8. (अ) आक्षेप/लांछन लगाना
9. (ब)प्राणों की परवाह न करना
10. (अ) चैन की साँस लेना

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए :

1. बस न चलना।
2. घबरा जाना।
3. मुकाबला करना।
4. बहुत अधिक शोभा बढ़ाना।
5. कुछ बोल न पाना
6. हरा देना।
8. हराना
8. बहुत तकलीफ का सामना करना।
9. कार्यारंभ में विघ्न पड़ना।
10. धोखा देने वाला।

ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर, उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. किसी को अति महत्व देना – बच्चों को सिर चढ़ाना ठीक बात नहीं।
2. असावधान होना – सुनीता की आँखों पर परदा पड़ा था, इसलिए उसने किसी की नहीं सुनी।
3. अशिष्ट होना – राहुल के बच्चे सिर चढ़ गए हैं, वे तो किसी की सुनते तक नहीं।
4. बेइज्जती करना –रीना ने दसवीं कक्षा में तीसरी बार फेल होकर अपने माता–पिता की पगड़ी उछाल दी।
5. गुस्सा करना – रमेश तो बात–बात पर दाँत पीसता है।
6. हार जाना – भारतीय सेना के साथ युद्ध में पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी।
7. बहुत गुस्सा होना – छात्रों को शोर मचाते देखकर अध्यापक आग बबूला हो गए।
8. बहुत अधिक शोर करना–छोटे बच्चे स्कूल में रो–रोकर कान खा जाते हैं।

घ. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए :

1. आँखे चुराये
2. कच्ची गोलियाँ नहीं खेलीं
3. उल्लू बनाने
4. हृदय भर आया।
5. कहानी समाप्त कर दूँगा।

ङ. निम्नलिखित अर्थों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए :

1. एक और एक ग्यारह होना।
2. हथेली पर सरसों उगाना।
3. साँस लेने की फुरसत न होना।
4. आ बैल मुझे मार
5. घाट–घाट का पानी पीना।

च. निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

1. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।
2. अपना उल्लू सीधा करना–अर्थ–अपना मतलब निकालना।
3. मुहावरा।
4. शाबाशी देना।
5. मौज करना या आराम से रहना।

6. बाज न आना–अर्थ–अपनी आदत न छोड़ना–रमेश हर किसी का मजाक बनाने से बाज नहीं आता।
7. कान पर जूँ न रेंगना:–कुछ भी ध्यान न देना।
8. कच्ची गोली खेलना–अर्थ–अनाड़ीपन दिखाना–मैंने कोई कच्ची गोली नहीं खेली है, जो तुम्हारे कहने से नौकरी छोड़ दूँगा।
9. एक के तीन बनाना–अर्थ –अत्यधिक लाभ प्राप्त करना–
   सोहनलाल बहुत समझदार व्यापारी है, वह एक के तीन बनाता है।
10. विश्वास करना।

छ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।
   उदाहरण:–जान हथेली पर लेना, ईद का चाँद होना, आँखों का तारा, अंधे की लाठी आदि।
2. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।
   उदाहरण:– अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना–अर्थ–अपनी प्रशंसा स्वयं करना–अजय के पिता जी से कोई भी बात करना पसंद नहीं करता क्योंकि जब देखो वह अपने मुँह मिया मिट्ठू बने रहते हैं।
3. स्वंय कीजिए।
4. स्वंय कीजिए।

पाठ 20 : अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. जितना अभ्यास करते जाएंगे, उतनी ही काम में कुशलता मिलती जाएगी।
2. वरदराज कुएँ की जगत पर रस्सी के निशान देखकर वापिस लौट गया।
3. वरदराज ने पाणिनी व्याकरण की रचना की।
4. मोहम्मद गौरी ने सत्रह बार पराजित होकर भी हार नहीं मानी।
5. अभ्यास सफलता का मूलमंत्र है।
6. गलतियाँ–त्रुटियाँ, अपने–आप– स्वत:, ज्ञानी = महापंडित।

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. शीर्षक–'कोयल'
2. कोयल की बोली मीठी है।
3. कोयल को मीठा बोलना उसकी माँ ने सिखाया।
4. कोयल सब चिड़ियों की रानी कहलाती है।
5. निम्न शब्दों का प्रयोग वाक्यों में करो:–
   भली –मेरी माँ बहुत भली हैं।
   कोयल – कोयल मधुर गीत गाती है।
   मिठास – हमारी वाणी में मिठास होनी चाहिए।
   चिड़ियाँ – आसमान में बहुत–सी चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

व्याकरण ज्योति - 7

पाठ-1 : भाषा, लिपि और व्याकरण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) हिंदी
2. (स) लिखित भाषा
3. (ब) लिपि
4. (अ) देवनागरी

ख. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए :

1. अक्षरों
2. शब्द विचार
3. वाक्य विचार
4. तमिल
5. भाषाएँ

ग. इन्हें सुमेलित कीजिए :

उर्दू	-	फारसी
हिंदी, संस्कृत	-	देवनागरी
पंजाबी	-	गुरुमुखी
अंग्रेजी	-	रोमन

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जिस साधन के द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों को लिखकर, बोलकर, या संकेत (इशारे) द्वारा प्रकट करता है, उसे भाषा कहते हैं।
2. मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं। अंग्रेजी भाषा की लिपि का नाम रोमन है।
3. भाषा के शुद्ध रूप से संबंधित नियमों, सीमाओं का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।
4. वर्ण विचार : वर्ण विचार के अंतर्गत वर्णों (अक्षरों) के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति के संबंध में ज्ञान प्राप्त कराया जाता है।

   शब्द विचार : शब्द विचार के अंतर्गत शब्दों के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति से संबंधित ज्ञान कराया जाता है।

   वाक्य-विचार : वाक्य विचार के अंतर्गत वाक्यों की निर्माण विधि, वाक्यों के भेद, विराम-चिह्न, वाक्य अलंकरण के भिन्न-भिन्न साधनों का वर्णन किया जाता है।

च. निम्न को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. राम दिल्ली जा रहा है।
2. जनवरी
3. हमें अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए।
4. ईमानदारी
5. राष्ट्रीय गान

पाठ 2 : वर्ण-विचार

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) ध्वनि 2. (ब)11 3. (द) 52
4. (द) वर्णमाला 5. (अ) विद्या 6. (स) फ, भ, ठ

ख. सुमेलित कीजिए :

ऊष्म - ष अन्तःस्थ - व उत्क्षिप्त - ड़
संयुक्त - क्ष

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए :

1. अल्पप्राण 2. ऊपर 3. महाप्राण
4. संयुक्ताक्षर 5. मूर्धा

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. असत्य

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. **स्पर्श व्यंजन :** जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय वायु, कंठ, तालु, मूर्धा, दंत, होंठ आदि अंगों का स्पर्श करके बाहर निकलती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। इन व्यंजनों की संख्या पाँच वर्गों में कुल 25 है:-

वर्ग	**स्पर्श व्यंजन**					**उच्चारण स्थान**
क	क	ख	ग	घ	ङ	कंठ
च	च	छ	ज	झ	ञ	तालु
ट	ट	ठ	ड	ढ	ण	मूर्धा
त	त	थ	द	ध	न	दंत
प	प	फ	ब	भ	म	होंठ

अंतःस्थ व्यंजन : स्वर और व्यंजन के बीच का सा उच्चारण अंतःस्थ व्यंजनों का होता है। इन व्यंजनों के उच्चारण के समय वायु मुख के किसी भी भाग को स्पर्श नहीं करती। इन वर्णों का उच्चारण करते समय जीभ मुख के भीतरी भागों को मामूली सा स्पर्श करती है। ये हैं:-य, र, ल, व।

2. 'र' का प्रयोग:-
(्र) - ग्रह, प्रकार, दरिद्रता, प्रेम
(्र) - ट्रक, ड्रम, राष्ट्र, ड्रामा
(र्) - कर्म, धर्म, सूर्य, गर्व

3. दो अलग-अलग व्यंजनों के मेल से बना शब्द संयुक्त अक्षर कहलाता है। जैसे:-प्यारा (प् + य मिलकर प्य अक्षर बना)
संयुक्ताक्षर में पहला व्यंजन स्वर मुक्त होता है और दूसरा व्यंजन स्वर सहित होता है।
उदाहरण : द्‌य - विद्‌या, विद्‌यार्थी
न्य - न्याय, अन्याय
द्‌ध - शुद्‌ध, अद्‌र्ध
व्य - व्यवहार, व्यायाम

4. अल्पप्राण व्यंजन : ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में कम समय लगता है और बोलते समय मुख से कम वायु निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा तथा पाँचवाँ वर्ण अल्पप्राण होता है।

महाप्राण व्यंजन : ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में अधिक प्रयत्न करना पड़ता है और बोलते समय मुख से अधिक वायु निकलती है। उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा वर्ण तथा 'ह' महाप्राण होता है।

वर्ग	**अल्पप्राण**				**महाप्राण**		
क वर्ग	क	ग	ङ	×	ख	घ	×
च वर्ग	च	ज	ञ	×	छ	झ	×
ट वर्ग	ट	ड	ण	ङ	ठ	ढ	ढ़
त वर्ग	त	द	न	×	थ	ध	×
प वर्ग	प	ब	म	×	फ	भ	×
अंत:स्थ	य	र	ल	व	×	×	×
ऊष्म	श	ष	स	×	ह	×	×

5. स्वर : जिन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु बिना रुकावट के मुख से बाहर निकल जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं।

हिंदी भाषा में स्वरों की संख्या ग्यारह है।

व्यंजन : जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं तथा जिन वर्णों का उच्चारण करते समय हवा कंठ से निकलकर मुँह में रुककर बाहर आती है हिंदी भाषा में 33 व्यंजन होते हैं।

च. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. गांधी आश्रम
2. ग्रह-नक्षत्र
3. संयुक्ताक्षर
4. अल्पप्राण
4. महाप्राण
6. वर्णमाला
7. व्यंजन
8. स्वर

पाठ 3 : शब्द-विचार

क. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) उष्ट्र
2. (स) घी
3. (ब) पगड़ी
4. (अ) गिलास
5. (स) दशानन
6. (अ) घोड़ा

ख. सुमेलित कीजिए :

नया-पुराना	विपरीतार्थक
हँसते-हँसते	शब्द-युग्म
ग्राम, गाँव	पर्यायवाची
घृत	तत्सम
परंतु	समुच्चयबोधक
मोर	तद्भव

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए :

1. रोते-रोते
2. नृत्य,
3. रात,
4. नाटक का एक दृश्य (भाग)
5. ऊपर

घ. शब्दों के सही का चिह्न (✓) लगाइए :

1. अविकारी	2. निरर्थक	3. पर्यायवाची
4. तत्सम	5. देशज	6. रूढ़
7. अनेकार्थी	8. शब्द-युग्म	

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. एक या एक से अधिक वर्णों के मेल के सार्थक योग को शब्द कहते हैं, जैसे:-स + ड़ + क - सड़क।

   उदाहरण:-रोटी, पुस्तक, कमल, सफलता, आवश्यकता आदि।

2. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भेद हैं:-(क) तत्सम, (ख) तद्भव, (ग) विदेशी, (घ) देशज।

   (क) तत्सम शब्द:-संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में ज्यों-के-त्यों, प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। उदाहरण:-राष्ट्र, हस्त, पुष्प, ग्राम आदि।

   (ख) तद्भव शब्द:-जो शब्द रूप बदलने के बाद संस्कृत से हिंदी में आए हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं। उदाहरण-घी, हाथ, आँख आदि।

   (ग) विदेशी:-विदेशी जातियों के संपर्क से उनकी भाषा के बहुत से शब्द हिंदी में प्रयुक्त होने लगे हैं। ऐसे शब्द विदेशी कहलाते हैं।

   उदाहरण:-कॉलेज, चश्मा, औलाद, केंची, साबुन, पुलिस आदि।

   (घ) देशज शब्द:-जो शब्द स्थानीय या क्षेत्रीय बोलियों से आकर हिंदी में शामिल हो गए हैं, वे देशज शब्द कहलाते हैं। उदाहरण:-खटिया, बछड़ा, बछिया, पिल्ला, लोटा, डिबिया आदि।

3. तद्भव शब्द:-जो शब्द रूप बदलने के बाद संस्कृत से हिंदी में आए हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं। उदाहरण-घी, हाथ, आँख आदि।

4. अर्थ के आधार पर शब्दों के छः भेद हैं:-(क) पर्यायवाची या समानार्थी, (ख) विपरीतार्थक शब्द, (ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, (घ) एकार्थी शब्द, (ड) अनेकार्थी शब्द (च) समरूप भिन्नार्थक या श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

   एकार्थी शब्द:-जिन शब्दों को केवल एक ही अर्थ होता है, वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे:-कोयल, पुस्तक, नदी, यमुना, गागर आदि।

5. **विकारी शब्द :** ऐसे शब्द जिनका रूप लिंग, काल तथा वचन का प्रयोग होने पर बदल जाता है विकारी शब्द कहलाते हैं। ये शब्द चार प्रकार के होते हैं:-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया।

   उदाहरणार्थ:-

संज्ञा	= घोड़ा	घोड़े	घोड़ों
सर्वनाम	= तुम	तुम्हें	तुम्हारा
विशेषण	= काला	काली	काले
क्रिया	= जा	गया	जाएगा, जाओ

   अविकारी शब्द : कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो सदैव अपने मूल रूप में ही प्रयोग किए जाते हैं अर्थात् वे लिंग, वचन, काल आदि से प्रभावित नहीं

होते, इनमें कोई विकार नहीं आता है। ऐसे शब्द, अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं। ये भी चार प्रकार के होते हैं:-

क. क्रिया विशेषण : शीघ्र, धीरे-धीरे, जल्दी में।

ख. समुच्चयबोधक : तथा, और, कि, लेकिन, परंतु।

ग. संबंधबोधक : में, पर, ऊपर, तक।

घ. विस्मयादिबोधक : ओह !, शाबाश !, वाह !

6. सार्थक शब्द:-जिन शब्दों का कुछ-न-कुछ अर्थ हो वे शब्द सार्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे:-रात, पानी, ऊपर, ममता, शीशा आदि।

निरर्थक शब्द:-जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, वे निरर्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे:-शंकाआ, यमस, जविय, त्रिरा आदि।

पाठ 4 : संज्ञा

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) इंसानियत
2. (ब) नेताजी
3. (अ) समूहवाचक संज्ञा
4. (अ) धातुवाचक/द्रव्यवाचक संज्ञा के
5. (द) पशुता, बालपन

ख. संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए और उसके भेद भी लिखिए :-

1.	पक्षी, आकाश	जातिवाचक संज्ञा
2.	बचपन	भाववाचक संज्ञा
3.	कश्मीर	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	सुंदरता	भाववाचक संज्ञा
4.	भारत	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	सोने	द्रव्यवाचक संज्ञा
	चिड़िया	जातिवाचक संज्ञा
5.	दूध	द्रव्यवाचक संज्ञा
6.	गंगा, यमुना	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	नदियाँ	जातिवाचक संज्ञा
7.	कागज़	जातिवाचक संज्ञा
	ढेर	समूहवाचक संज्ञा
8.	गांधी जी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	अहिंसा	भाववाचक संज्ञा
	पुजारी	जातिवाचक संज्ञा
9.	दिल्ली, भारत	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	राजधानी	जातिवाचक संज्ञा
10.	सेना	समूहवाचक संज्ञा
	राष्ट्रपति	जातिवाचक संज्ञा

ग. दिए गए संज्ञा शब्दों को भेद के अनुसार उनके वर्ग में लिखिए :

व्यक्तिवाचक अटल बिहारी, मोहन, दिल्ली,आदित्य।

जातिवाचक लड़का,चोर, नारी, राजा, पाठशाला, शिक्षक, नगर।

भाववाचक मिठास,वीरता, थकावट, अच्छाई, बचपन।

द्रव्यवाचक दूध, लोहा, पानी, सोना, शरबत।

समूहवाचक कक्षा, गड्डी, सेना।

घ. समूहवाचक संज्ञा को उचित समूह से मिलाइए :

क		**ख**
पुलिस	–	सिपाही
नाटक मंडली	–	अभिनेता
पार्टी	–	नेता
टोली	–	होली खेलने वालों की
अंबार	–	अनाज
भीड़	–	यात्रियों की
गड्डी	–	नोटों की
कक्षा	–	विद्यार्थी

ड. प्रत्येक वर्ग के लिए जातिवाचक संज्ञा लिखिए :

इमारत देश ग्रंथ भाषा नदी वृक्ष

च. उचित संज्ञा शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए :

1. ईमानदारी	2. संगीतज्ञ	3. टोली
4. सोने	5. दूध	6. मीना
7. राजधानी	8. मक्खी	9. मिठास
10. अभिलाष		

छ. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

1. बचपन	2. लड़कपन	3. पागलपन
4. सुंदरता	5. मित्रता	6. अपनापन, अपनत्व
7. कठोरता	8. बुढ़ापा	9. मोटापा
10. मातृत्व	11. नारीत्व	12. वीरता
13. अच्छाई	14. मानवता	15. देवता
16. मिठास	17. पशुता	18. कोमलता

ज. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि के नामों को संज्ञा कहते हैं। सभी नाम संज्ञा होते हैं। उदाहरण–श्रीकृष्ण, दिल्ली, राम, नेताजी, भीड़, मिठास, पक्षी, इंसानियत आदि।
2. जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, स्थान, अथवा वस्तु के नाम का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण:–महात्मा गांधी, नरेंद्र मोदी, भारत, अमेरिका, उत्तर प्रदेश, रामायण, आदि।

3. संज्ञा के पाँच भेद होते हैं:-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा
4. समूहवाचक संज्ञा
5. द्रव्यवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा : जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, स्थान, अथवा वस्तु के नाम का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण:-महात्मा गांधी, नरेंद्र मोदी, भारत, अमेरिका, उत्तर प्रदेश, रामायण, आदि।

4. जातिवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द अपनी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- किसान, नौकर, माली, महिला, अध्यापक, जानवर, चिड़िया आदि।

भाववाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु/व्यक्ति के गुण-दोष, भाव, दशा या मन के भाव आदि के नाम का बोध कराएँ, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- मित्रता, प्यासा, दया, बुढ़ापा, क्रोध, बैर आदि।

5. समूहवाचक संज्ञा : समूहवाचक संज्ञा किसी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध कराती है। समूहवाचक संज्ञा को समुदायवाचक संज्ञा भी कहा जाता है। जैसे:-मेला, झुंड, परिवार, सेना, भीड़, कक्षा आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा : ऐसे शब्द जो किसी भी तरल, ठोस, पदार्थ, अधातु, धातु या द्रव्य का बोध कराते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे:-तांबा, पीतल, सोना, लोहा, दूध, मिट्टी आदि।

पाठ 5 - संज्ञा : लिंग

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) वर्णिका पढ़ा रही है।
2. (द) चैत्र और बैसाख
3. (अ) नर कोयल
4. (स) बुद्धिमती

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

ग. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए :

1. सम्राज्ञी
2. चूहा
3. वीरांगना
4. बिल्ला
5. महिला
6. गायिका
7. फूफा
8. लोटा
9. कवयित्री
10. नाई
11. मादा मक्खी
12. छात्र
13. गुड्डा
14. हथिनी

घ. लिंग बदलकर पुनः लिखिए :

1. कल पंडिताइन पूजा कराने आएंगी।
2. दादा पोते को खाना खिलाते हैं।
3. अभिनेत्री ने अच्छा अभिनय किया।
4. ऊँटनी रेत में तेज दौड़ती है।
5. धोबी कपड़े धो रहा है।
6. चिड़ा दाना चुगकर लाया।

7. बुढ़िया लाठी के सहारे चल रही थी।
8. दरवाजे पर भिखारिन खड़ी है।
9. दूध पतीले में उबाल दो।
10. बंदर पेड़ पर बैठा है।

ङ. निम्नलिखित शब्दों को रेखा खींचकर स्त्रीलिंग या पुल्लिंग से मिलाइए :

स्त्रीलिंग : मछली, गंगा, वधू, हिंदी।

पुल्लिंग : तेल, नाक, रविवार, भारत, हीरा, मई, हिमालय, बलवान।

च. रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. अध्यापिका 2. हथिनी 3. बैल
4. सेठानी 5. ठाकुर

छ. सही लिंग के जोड़े मिलाकर लिखिए :

पुल्लिंग :- पिता, राजा, युवक,मुर्गा, पति, गायक।

स्त्रीलिंग :- माता, रानी, युवती,मुर्गी, पत्नी, गायिका।

पाठ 6 संज्ञा-वचन

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) एकवचन
2. (अ) एक या अनेक संख्या का बोध कराने वाले शब्द
3. (अ) संज्ञा शब्दों से
4. (ब) आदर के लिए

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. असत्य

ग. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :

1. डालियाँ 2. मिठाई 3. सब्जियाँ
4. वधुएँ 5. रसगुल्ले 6. गायें
7. मित्रजन 8. महिला 9. बिल्लियाँ
10. पुस्तकें

घ. वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए :

1. बकरियाँ घास खा रही है।
2. हाथी पानी पी रहे हैं।
3. विद्यार्थियों ने स्नान किया।
4. छात्रों ने गुरुजन को प्रणाम किया।
5. लड़कियाँ कविताएँ पढ़ रही है।
6. पेड़ों से पत्ते गिरे।
7. बच्चे छतों पर खेल रहे हैं।
8. सड़कें बहुत चौड़ी हैं।

9. कोयलें कुछु-कुछु कर रही हैं।
10. मोर नाच रहे हैं।
11. बच्चा पढ़ रहा है।
12. छात्र कक्षा में शोर मचा रहा है।
13. माला सुंदर है।
14. वह बाजार गया है।
15. कुत्ते भौंक रहे हैं।
16. घोड़ा दौड़ रहा है।

पाठ 7 : सर्वनाम

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) निजवाचक सर्वनाम
2. (अ) पुरुषवाचक सर्वनाम
3. (अ) जैसा, वैसा, जो, सो
4. (ब) संज्ञा के स्थान पर बोलने जाने वाले शब्दों को

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

मैं, तुम, वे	-	पुरुषवाचक
यह, ये	-	निश्चयवाचक
जैसा, वैसा	-	संबंधवाचक
कौन, किसने	-	प्रश्नवाचक

ग. कोष्ठकों में से उचित सर्वनाम शब्द छाँटकर नीचे दिए एक वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए :

1. कहाँ	2. मैंने	3. कोई
4. यह	5. कुछ	6. स्वयं
7. जैसा	8. ये	

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. सत्य	

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जो शब्द संज्ञा के स्थानों पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के छः भेद हैं:-1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 4. संबंधवाचक सर्वनाम, 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 6. निजवाचक सर्वनाम।
2. सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं:-
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-हम घूमने जा रहे हैं।
   2. निश्चयवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-वह मेरी पेंसिल हैं।
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-बाहर कोई आया है।
   4. संबंधवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-आप कहाँ कहते हैं?

6. निजवाचक सर्वनाम:-उदाहरण-अपने काम स्वयं करें।

3. निश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम शब्द से किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान की निश्चितता का बोध हो वे शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे:-यह, वह, ये, वे आदि।

उदाहरण:- 1. वह अच्छी पुस्तक है। 2. यह मेरा गाँव है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति स्थान, या वस्तु का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे:-कोई, कुछ, किसी आदि।

उदाहरण:- 1. कोई आपको बुला रहा है। 2. कुछ खाने को दीजिए।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. मैं बाजार जा रहा हूँ।
2. सीता बहुत मेहनती लड़की है। वह बहुत ईमानदार भी है।
3. हम सुबह जल्दी जग जाते हैं।
4. तालाब में हमने कमल के फूल देखे। वे बहुत ही मनोहारी थे।

पाठ 8 : कारक

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) आठ
2. (द) कारक कहते हैं
3. (अ) अधिकरण कारक
4. (स) का, की, के
5. (स) संबोधन कारक का

ख. नीचे दिए गए वाक्यों में, रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न लिखिए :

1. से
2. पर
3. ने
4. का
5. की, का
6. में
7. ने, को, से,
8. पर

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. असत्य

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्द का वह रूप, जिससे वाक्य में क्रिया से उनके संबंध का बोध हो कारक कहलाता है। अर्थात कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम के काम को दर्शाता है कि वह क्या कार्य कर रहा है।

2.

	कारक	चिह्न
1.	कर्ता	ने
2.	कर्म	को
3.	करण	से
4.	संप्रदान	को, के लिए
5.	अपादान	से

6. संबंध का, की, के
7. अधिकरण में, पर
8. संबोधन हे !, अरे !

3. कारक के भेद
   1. कर्ता
   2. कर्म
   3. करण
   4. संप्रदान
   5. अपादान
   6. संबंध
   7. अधिकरण
   8. संबोधन

4. अपादान कारक :- जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द से यह पता चले कि कोई वस्तु या व्यक्ति का किसी से अलगाव या दूरी हो रही है, उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।
   उदाहरण :- पेड़ से पत्ते गिरे।
   करण कारक :- जिस वस्तु की सहायता से या जिसके द्वारा कोई काम किया जाता है, उसे करण कारक कहते है। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।
   उदाहरण :- हम आँखों **से** देखते हैं।

ङ. वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. छत पर बंदर बैठा है।
2. कृतिका टब में नहा रही है।
3. वर्णिका ने खाना खा लिया।
4. दया बाजार से फल लाई।

पाठ 9 : विशेषण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) चार
2. (ब) नाप-तौल के बारे में
3. (अ) संज्ञा-सर्वनाम से पहले
4. (अ) संकेतवाचक

ख. नीचे दिए गए कोष्ठक में से उचित विशेषण शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों में भरिए :

1. काला	2. ईमानदार	3. चमकीले
4. अनेक	5. मीठा	6. रसीले
7. हरी	8. शर्मीली	

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. असत्य	

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. विशेषण चार प्रकार के होते हैं:-
   (क) गुणवाचक विशेषण
   (ख) संख्यावाचक विशेषण
   (ग) परिमाणवाचक विशेषण
   (घ) संकेतवाचक अथवा सार्वनामिक विभेषण

   गुणवाचक विशेषण के उदाहरण :
   1. हमने नयी कार खरीदी।
   2. अनिल एक बलवान युवक है।

   परिमाणवाचक विशेषण के उदाहरण :-
   1. हम प्रतिदिन तीन लीटर दूध खरीदते हैं।
   2. मुझे कुछ फल खरीदने हैं।

2. निश्चित संख्यावाचक विशेषण:-ऐसे विशेषण शब्द जो किसी भी निश्चित संख्या का बोध करवाते हैं, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। उदाहरण:-दो, चार, पांच, तीसरा, सातवां, एक दर्जन आदि।

   अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण:-ऐसे विशेषण शब्द जिनमें संज्ञा व सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध नहीं होता। उन शब्दों को अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहा जाता है। उदाहरण:-कई, अनेक, बहुत सारे, कुछ, बहुत थोड़े, अनगिनत आदि।

3. विशेषण के भेद :-

   (क) गुणवाचक विशेषण:-किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, रूप, आकार, स्वभाव आदि का बोध करवाने वाले शब्द गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे:-बुरा, कठोर, नए, बड़ा, सफेद, लालची, अमीर, चौड़ा, दानी आदि।

   उदाहरण:- 1. सुमन चालाक लड़की है। 2. चाय मीठी है।

   (ख) संख्यावाचक विशेषण:-जो विशेषण शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे:-चार, तीन, आठ, पहला, प्रथम, पाँचवा, कुछ, एक दर्जन आदि।

   1. दोनों गिलासों में दूध है।
   2. कई लड़के बैठे हैं।
   3. नौ देवियाँ हैं।

   (ग) परिमाणवाचक विशेषण:-किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध करवाने वाले शब्दों को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे:-थोड़ा, कम, ज्यादा, दो किलो, पाँच लीटर, पाँच बीघा आदि।

   उदाहरण:- 1. उसके पास बहुत खिलौने हैं।
   2. माँ ने सात लीटर तेल खरीदा।

   (घ) सार्वनामिक विशेषण:-ऐसे सर्वनाम शब्द जो संज्ञा से पहले लगकर उस संज्ञा शब्द की विशेषता बताते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे:-यह, वह, ये, वे, किसी, उस, किस आदि।

उदाहरण:- 1. उस व्यक्ति से बात मत करो।

2. वह लड़का पढ़ने जाता है।

4. गुणवाचक विशेषण:-गुणवाचक विशेषण:-किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, रूप, आकार, स्वभाव आदि का बोध करवाने वाले शब्द गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे:-बुरा, कठोर, नए, बड़ा, सफेद, लालची, अमीर, चौड़ा, दानी आदि।

उदाहरण:- 1. सुमन चालाक लड़की है।

2. चाय मीठी है।

परिमाणवाचक विशेषण:-परिमाणवाचक विशेषण:-किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध करवाने वाले शब्दों को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे:-थोड़ा, कम, ज्यादा, दो किलो, पाँच लीटर, पाँच बीघा आदि।

उदाहरण:- 1. उसके पास बहुत खिलौने हैं।

2. माँ ने सात लीटर तेल खरीदा।

6. संख्यावाचक विशेषण:-संख्यावाचक विशेषण:-जो विशेषण शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे:-चार, तीन, आठ, पहला, प्रथम, पाँचवा, कुछ, एक दर्जन आदि।

1. दोनों गिलासों में दूध है।
2. कई लड़के बैठे हैं।
3. नौ देवियाँ हैं।

परिमाणवाचक विशेषण:-परिमाणवाचक विशेषण:-किसी वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की मात्रा, परिमाण, नाप या तौल का बोध करवाने वाले शब्दों को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे:-थोड़ा, कम, ज्यादा, दो किलो, पाँच लीटर, पाँच बीघा आदि।

उदाहरण:- 1. उसके पास बहुत खिलौने हैं।

2. माँ ने सात लीटर तेल खरीदा।

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. राधेश काली गेंद से खेल रहा है।
2. हमें रास्ते में एक अंधा व्यक्ति दिखाई दिया।
3. रामू ने काला कोट पहन रखा है। 4. अध्यापक को मेहनती बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं।
5. साबिया हरे पेन से लिख रही है।

च. विशेषण शब्द रेखांकित कीजिए और उनके भेद लिखिए :

1. परिश्रमी-गुणवाचक विशेषण
2. सातवाँ-निश्चित संख्यावाचक विशेषण
3. कुछ-अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
4. अच्छी-गुणवाचक विशेषण
5. गुलाबी-गुणवाचक विशेषण

6. दो मीटर–निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
7. छोटे–गुणवाचक विशेषण
8. अधिक–अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
9. इस–संकेतवाचक विशेषण
10. ग्यारह–निश्चित संख्यावाचक विशेषण

छ. उचित विशेषण शब्द लगाकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. ताजे	2. होशियार	3. पालतू
4. लंबी	5. हरी	6. थोड़ा
7. स्वादिष्ट	8. सातवीं	9. चार
10. दो किलो	11. लंबा	12. लाल
13. लाखों	14. ऊँचा	15. मेरी

ज. दिए गए संज्ञा शब्दों के लिए दो–दो विशेषण शब्द लिखिए :

1. लाल, सुंदर	2. जंगली, सफेद	3. ऊँची, पुरानी
4. बड़ा, शानदार	5. भयानक, रोचक	6. पुराना, भारी
7. अच्छा, सच्चा	8. बड़ा, साफ	9. छोटी, हरी
10. गरम, ठंडा	11. फटी, काली	12. लंबे, काले
13. धुंधला, काले	14. मीठा, लाल	15. ऊँचा, विशाल

झ. दिए गए संज्ञा शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए :

1. वार्षिक	2. बुद्धिमान	3. रंगीला
4. भारतीय	5. परिश्रमी	6. जापानी
7. सच्चा	8. चमकीला	9. आदरणीय
10. रोगी	11. विदेशी	12. राष्ट्रीय

पाठ 10 : क्रिया

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) सकर्मक क्रिया
2. (अ) प्रेरणार्थक क्रिया
3. (स) प्रेरणार्थक क्रिया
4. (अ) धातु कहते हैं

ख. कोष्ठकों में से उचित क्रिया शब्द छाँटकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए :

1. पी रही	2. लिखता	3. लिखी
4. दौड़ रहा	5. कर लिया	6. गई
7. थककर	8. तुतलाता	

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. असत्य	

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. रचना या प्रयोग के आधार पर क्रिया के पांच भेद हैं:-
   1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. नामधातु क्रिया
   4. प्रेरणार्थक क्रिया 5. पूर्वकालिक क्रिया

सामान्य क्रिया : जिस वाक्य में एक क्रिया होती है, उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।

उदाहरण: 1. माँ ने खाना बनाया।

2. वह घर आया।

2. जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।

3. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं :-

1. सकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया

सकर्मक क्रिया : जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण:- 1. अध्यापिका पाठ पढ़ाती है।

2. राधा स्वेटर बुनती है।

अकर्मक क्रिया : जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव सिर्फ कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण: 1. बच्चा रो रहा है।

2. दादा जी सो गए।

4. जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

5. अकर्मक क्रिया:-जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव सिर्फ कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण:-1. बच्चा रो रहा है। 2. दादा जी सो गए।

6. जब कर्ता कार्य को स्वयं न करके, किसी दूसरे से करवाता है, तब उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण:- 1. मालकिन धोबी से कपड़े धुलवाती है।

2. माँ मुझसे मटर मंगवाती हैं।

7. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया:-जब कर्ता स्वयं प्रेरक बनकर अन्य किसी को कार्य करने की प्रेरणा देता है, उसे प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण : 1. मैं आपको गाना सुनाऊंगी।

2. नौकरानी बच्चे का झूला झुलाती है।

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया:-जब कर्ता स्वयं कार्य में सम्मिलित न होकर अन्य किसी से कार्य करवाता है। तो उसे द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण : 1. माताजी नौकर से सफाई करवाती हैं।

2. अध्यापिका मोहन से हिंदी का पाठ पढ़वाती है।

8. संयुक्त क्रिया:-जब दो या दो से अधिक क्रियाएँ मिलकर किसी पूर्ण क्रिया को बनाती हैं, तब वे संयुक्त क्रियाएँ कहलाती हैं।

उदाहरण : 1. माताजी ने खाना बना दिया।

2. वे लोग चले गए।

पूर्वकालिक क्रिया:-किसी भी वाक्य में मुख्य क्रिया से पहले वाली क्रिया पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है।

उदाहरण : 1. राकेश खाना खाकर सो गया।

2. अमित पढ़कर खेलने लगा

ङ. निम्न को परिभाषित कीजिए :

1. एककर्मक क्रिया :- जिस क्रिया का एक कर्म हो उसे एककर्मक क्रिया कहते हैं।
2. द्विकर्मक क्रिया :- जिस क्रिया में दो कर्म हो, उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।
3. अकर्मक क्रिया :- जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव सिर्फ कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।
4. सकर्मक क्रिया :- जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
5. प्रेरणार्थक क्रिया :- जब कर्ता कार्य को स्वयं न करके, किसी दूसरे से करवाता है, तब उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
6. पूर्वकालिक क्रिया :- किसी भी वाक्य में मुख्य क्रिया से पहले वाली क्रिया पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. मैंने कार्य कर लिया है।
2. शशिबाला खाना बना रही है।
3. कोयल कुहू-कूहू कर रही है।
4. आज बरसात होने की संभावना है।

पाठ 11 : काल

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) समय का बोध कराने वाले शब्दों को
2. (अ) जिस क्रिया के होने में संदेह हो
3. (अ) वर्तमान काल कहते हैं
4. (अ) वर्षा होगी

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

पक्षी उड़ते हैं।	सामान्य वर्तमान काल
सतेन्द्र घर आ चुका होगा।	संदिग्ध भूतकाल
वह बाजार जा रहा था।	अपूर्ण भूतकाल
शायद आज वे दिल्ली जाएँ।	सम्भाव्य भविष्यत् काल
बच्चा सो गया।	सामान्य भूतकाल
वह अब चल दिया होगा।	संदिग्ध वर्तमान काल

ग. कोष्ठकों में से उचित छाँटकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए :

1. तीन
2. काल
3. भूतकाल
4. संदिग्ध
5. चल रहा है
6. वर्तमान काल
7. आसन्न

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. असत्य

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. क्रिया के जिस रूप से काम होने के समय का पता चले, उसे काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं:-1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत् काल।
   1. वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि काम अभी चल रहा है। उसे वर्तमानकाल कहते हैं।
      उदाहरण:-मीना सो रही है। वह पत्र लिखती है।
   2. भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।
      उदाहरण:- राधा ने गीत गाया। मैं खाना खा चुका हूँ।
   3. भविष्यत् काल:-क्रिया के जिस रूप से उसके आने वाले समय में होने का पता चले उसे भविष्यत् काल कहते हैं।
      उदाहरण:- हम मैच देखेंगे। आज वर्षा होगी।
2. आसन्न भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है। उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं।
   उदाहरण:- 1. बालक सो चुका है। 2. मैं अभी सोकर उठा हूँ।
   संदिग्ध वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से बीत रहे समय में किसी काम के होने में संदेह प्रकट हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:- 1. बारिश हो रही होगी। 2. बच्चा सो रहा होगा।
3. क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि काम अभी चल रहा है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:-1. वर्षा हो रही है। 2. अध्यापिका पढ़ा रही है।
4. ऐसी क्रिया जिसमें किसी काम के करने या होने की संभावना पायी जाए, उसे संभाव्य भविष्यत्काल कहते हैं।
   उदाहरण:-हो सकता है कि आज वर्षा है। शायद आज हम घूमने जाएँ।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिये :

1. मैं इस मकान में पिछले चार वर्षों से रह रहा हूँ।
2. यदि कल बरसात हुई तो मैं उसमें अवश्य नहाऊँगा।
3. पिछले रविवार को मैं दिल्ली गया था।
4. सोहन आज बाजार गया है।

पाठ 12 : अव्यय एवं निपात

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए -

1. (अ) रीतिवाचक 2. (अ) समय का
3. (अ) चार 4. (द) परिमाणवाचक

ख. कोष्ठकों में से उचित शब्द छाँटकर नीचे दिए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए :

1. पर 2. इसीलिए 3. मात्र

4. अहा! 5. या तो 6. जी ठीक

ग. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

जल्दी-जल्दी	क्रियाविशेषण
इसीलिए	समुच्चयबोधक
के सहारे	संबंधबोधक
तक	निपात
शाबाश	विस्मयादिबोधक

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य
4. सत्य

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :

1. ऐसे शब्द, जिसके रूप में लिंग, वचन और कारक इत्यादि के कारण कोई विकार नहीं होता, अव्यय कहलाते हैं।

   अव्यय पाँच प्रकार के होते हैं:-

   1. क्रिया विशेषण 2. संबंधबोधक
   3. समुच्चयबोधक 4. विस्मयादिबोधक
   5. निपात

2. क्रिया विशेषण के प्रकार एवं उदाहरण:-

   1. काल वाचक क्रिया विशेषण :

   उदाहरण: 1. रमेश परसों चला जायेगा।
   2. अजीत कल पढ़ेगा।
   3. रोहन प्रतिदिन खेलने जाता है।
   4. बच्चे नित्य पढ़ते हैं।

   2. स्थानवाचक क्रिया विशेषण :

   उदाहरण: 1. तुम्हारा घर वहाँ है।
   2. तुम कहाँ घूमने जाओगे।
   3. इधर-उधर मत बैठो।
   4. सड़क के बाएं चलो।

   3. परिमाणवाचक क्रिया विशेषण :

   उदाहरण : 1. मुझे कम खाना चाहिए।
   2. वह अधिक बोलता है।
   3. रमेश खूब पढ़ता है।
   4. मरीज बहुत घबरा रहा है।

   4. रीतिवाचक क्रिया विशेषण :

   उदाहरण: 1. साइकिल धीरे-धीरे चलती है।
   2. घोड़ा तेज दौड़ता है।
   3. अचानक मेरे सामने शेर आ गया।
   4. वह शीघ्रता से घर चला गया।

3. प्रमुख समुच्यबोधकों के उदाहरण :

1. संयोजक :
   1. राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।
   2. सेब तथा आम फल हैं।
   3. राम और श्याम मित्र हैं।
2. विकल्पसूचक :
   1. विज्ञान अथवा गणित में से एक विषय पढ़ो।
   2. तुम काम कर सकते हो या पढ़ाई।
   3. तुम मेहनत करो अन्यथा असफल हो जाओगे।
3. विरोधसूचक:
   1. दीपक पढ़ने में तो अच्छा है लेकिन बहुत शरारती है।
   2. अपराधी को सजा ही नहीं बल्कि जुर्माना भी देना चाहिए।
   3. मैंने उसे रोका था पर वह नहीं रुका।
4. परिणामसूचक :
   1. उसने चोरी की थी इसलिए उसे सजा मिली।
   2. मैं बीमार हूँ अत: उसकी शादी पर नहीं जा सका।
   3. तुम पढ़े नहीं इसलिए फेल हो गए।
5. कारणबोधक:
   1. सोहन जेल में है क्योंकि उसने चोरी की थी।
   2. उस पर कोई भी भरोसा नहीं करता क्योंकि वह झूठ बोलता है।
   3. वह मुझे अच्छा लगता है क्योंकि वह समझदार है।
6. संकेतसूचक:
   1. कुछ बनना है तो स्कूल जाओ।
   2. जीवन में कुछ बनना है तो मन से पढ़ाई करो।
   3. यद्यपि वह छोटा है तथापि बहादुर है।
7. उद्देश्यबोधक:
   1. वह पढ़ता है ताकि अच्छी नौकरी मिल सके।
   2. वह मेरे पास आया था ताकि मदद मांग सके।
   3. श्रेष्ठ कार्य करी जिसमें माँ-बाप गर्व कर सकें।
8. स्वरूपवाचक :
   1. वह ऐसे डर रहा है जैसे उसने ही रुपये चुराये हों।
   2. तुम्हारी कमीज इतनी काली हो गई है मानो कि कोयला हो।
   3. मेरी माँ इतनी सुंदर है, मानो अप्सरा हों।

4. जो अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम के बाद प्रयुक्त होकर वाक्य में दूसरे शब्दों से उसका संबंध बताते हैं; उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

संबंधबोधक के नाम तथा उदाहरण :

1. कालबोधक: 1. बस समय से पहले आ गई।
   2. मैं खाना खाने के लगभग एक घंटे बाद नहाऊँगा।

2. स्थानबोधक : 1. स्कूल के पास ही मंदिर है।
2. तालाब के किनारे बगीचा है।
3. दिशाबोधक : 1. आगे की ओर मत देखना।
2. घर के आस-पास ही खेलना।
4. साधनबोधक : 1. उसके जरिए यहाँ नल लगाया जाएगा।
2. आपके आने की सूचना पत्र द्वारा मिली।
5. विषयबोधक : 1. श्रीकृष्ण के बारे में बहुत कुछ पढ़ाया गया है।
2. मैं उसके बारे में बात करने आया हूँ।
6. सादृशबोधक : 1. अपने पिताजी की तरह सत्यवादी बनो।
2. सीता की भाँति जीवन जियो।
7. तुलनात्मक : 1. चाँदी की अपेक्षा सोना महँगा है।
8. विरोधबोधक : 1. उसके विरुद्ध मत बोलो।
2. भारत ने पाकिस्तान के विरूद्ध क्रिकेट खेला।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. जैसा करोगे वैसा भरोगे।
2. हमें कदापि झूठ नहीं बोलना चाहिए।
3. जल्दी-जल्दी चलो वरना रेलगाड़ी छूट जाएगी।
4. महात्मा गांधी हिंसा के खिलाफ थे।
5. ओहो! कितनी गर्मी है।
6. मेरे अलावा इस कार्य को कोई कर ही नहीं सकता।

छ. निम्नलिखित वाक्यों से अव्यय छाँटकर प्रकार लिखिए :

1. वहाँ-क्रिया विशेषण
2. के साथ-संबंधबोधक
3. छि! -विस्मयादिबोधक
4. लेकिन-समुच्चयबोधक
5. की ओर-क्रिया विशेषण
6. तक-निपात
7. हाय! -विस्मयादिबोधक
8. कि-समुच्चयबोधक
9. अभी-क्रिया विशेषण
10. के पीछे-संबंधबोधक
11. वाह!-विस्मयादिबोधक
12. जल्दी-जल्दी-क्रियाविशेषण
13. की ओर-संबंधबोधक
14. अच्छा! - विस्मयादिबोधक
15. धीरे-धीरे - क्रिया विशेषण

ज. अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. अध्यापक की बदौलत वह परीक्षा में पास हो सका।
2. शहरों का निरंतर विस्तार हो रहा है।
3. मेरी छोटी बहन फूल के समान कोमल है।
4. अहा ! आप समय से आ गए।
5. शाबाश! तुमने बहुत अच्छा खेला।
6. वह स्कूल नहीं आया क्योंकि उसके भाई की शादी है।
7. माँ को चोट लगने की बात सुनकर वह तुरंत घर आ गया।

8. वह खेलने जाना चाहता था, परंतु पिताजी ने मना कर दिया।
9. सीता और राधा दोनों बहनों के बीच अकसर झगड़े होते हैं।
10. अरे भाई! गाड़ी ध्यान से चलाओ।
11. हमारी उनसे नहीं के बराबर बातचीत है।
12. सीता और नीता बहुत समझदार लड़कियाँ हैं।

पाठ 13 : विराम चिह्न

क. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) शब्द-युग्मों के मध्य
2. (द) अल्प विराम पर
3. (ब) तुल्यतासूचक चिह्न
4. (द) लाघव विराम
5. (द) विस्मय विराम
6. (ब)

ख. मिलान कीजिए :

क.		ख.
पूर्ण विराम	–	।
अपूर्ण विराम	–	:
विस्मय विराम	–	!
निर्देशक चिह्न	–	–
कोष्ठक	–	( ) / { } / [ ]
लाघव चिह्न	–	०

ग. उचित विराम चिह्न का प्रयोग करके वाक्यों को पुनः लिखिए :

1. मेरे दादाजी कहते हैं, ''ऐसे जामुन खाने से पेट खराब हो जाता है।''
2. मार्च में जब मेरी परिक्षाएँ समाप्त हो जाती है, तब मैं इसके फूलों की प्रतीक्षा करने लगता हूँ।
3. जामुन की कोई हरी-भरी टहनी लो, इसे कलम की तरह छीलो और जमीन में लगा दो।
4. जानते हो, कलम कैसे लगाई जाती है?
5. ओह! तो क्या मैं अपनी कमरे में वापस जा सकती हूँ?
6. एक दिन उन्हें एक-से बढ़कर एक स्वादिष्ट पराठे, सब्जियाँ, एक-से बढ़कर एक मिठाइयाँ, पकौड़े, सलाद और अचार खाने को मिलने लगे।
7. बर्लिन शहर की रेलों, बसों, ट्रामों में कंडक्टर नहीं होते।
8. क्या कहा, बिल्ली ने रास्ता काट दिया?
9. बीरबल, बताओ कि सच और झूठ में क्या अंतर है?
10. अच्छा, यह बताइए कि हवा में प्रदूषण कैसे होता है?

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. भाषा के लिखित रूप में विराम या रुकने के लिए जिन संकेत चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।
   उदाहरण:- तुम क्या कर रहे हो? उसे जगाओ मत, सोने दो।
2. भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम चिह्नों की बहुत आवश्यकता है। इनसे वक्ता या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में

आसानी होती है। इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता। यदि वाक्य में विराम चिह्न का सही से प्रयोग न किया जाए तो वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट हो जाता है। अत: भाषा को सुबोध और सरल बनाने के लिए विराम चिह्नों की आवश्यकता होती है।

3. विराम चिह्नों के उदाहरण:-

1. पूर्ण विराम चिह्न (।):-
   1. तुम जा रहे हो।
   2. मैं ठीक हूँ।
   3. खाना बन गया है।
2. अल्प विराम चिह्न (,) -
   1. रमेश, महेश और सुरेश घूमने गए।
   2. खाओ, पियो और सो जाओ।
   3. अजय, अमित और अनिल उनके तीन पुत्र हैं।
3. अद्‌र्ध विराम चिह्न (;)-
   1. वह माफी माँगता रहा; लोग उसे मारते रहे।
   2. जो इस पर विश्वास नहीं करते; वह उन्हें भी प्यार करता है।
   3. जब मेरे पास समय होगा; तब मैं आपसे मिलने आऊँगा।
4. प्रश्नवाचक चिह्न (?):-
   1. तुम कब आओगे?
   2. क्या वह कहीं जा रही है?
   3. तुम्हारा क्या नाम है?
5. विस्मयादिबोधक चिह्न:-
   1. अरे ! वह पास हो गया।
   2. वाह ! तुम धन्य हो।
   3. शाबाश ! तुम जीत गए।
6. उद्‌धरण चिह्न (“ ”):-
   1. “रामचरित मानस” एक धार्मिक ग्रंथ है।
   2. गांधी जी ने कहा, “सत्य ही ईश्वर है।”
   3. “साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल है।” प्रेमचंद
7. योजक चिह्न (-):-
   1. राम और रहीम के घर आस-पास है।
   2. सुख-दुख तो जीवन में आते रहते हैं।
   3. वह दिन-रात मेहनत करके पढ़ा है।
8. निर्देशक चिह्न (-):-
   1. ऐसा लग रहा है- मैं बूढ़ा हो गया हूँ।
   2. टी.टी-तुम्हारा टिकट कहाँ है ?
   3. निम्नांकित वाक्यों को पढ़िए-
9. अपूर्ण विराम चिह्न (:) -

1. तुलसीदास: एक अध्ययन
2. विज्ञान : वरदान या अभिशाप

10. विवरण चिह्न (:-)
    1. वचन के दो भेद होते हैं:- (क) एकवचन, (ख) बहुवचन।
    2. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए:-
11. संक्षेपसूचक या लाघव चिह्न (०)
    1. डॉ० (डॉक्टर)
    2. प्रो० (प्रोफेसर)
    3. दि० वि० (दिल्ली विश्वविद्यालय)
12. समानता सूचक चिह्न (=):-
    1. तप: + वन = तपोवन
    2. सूर्य = सूरज
    3. कृतघ्न = उपकार न मानने वाला।
13. त्रुटिपूरक चिह्न (^)
    1. मेरे पास बहुत से ^ खिलौने हैं।
    2. तुम कितने ^ बजे तक आओगे?
    3. उसके घर का ^ पता भेज दीजिए।
4. विराम चिह्नों को हम लगाते हैं क्योंकि इनके प्रयोग से भाषा सुगठित प्रतीत होती है तथा इनके प्रयोग से वाक्य का अर्थ समझने में सरलता आ जाती है।

पाठ 14 : वाच्य

क. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. सत्य 5. असत्य

ख. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए :

1. दुकानदार के द्वारा सस्ती साड़ी बेची गयी।
2. मुझसे चला नहीं जाता।
3. रमेश के द्वारा किताब लिखी गई।
4. सुनीता के द्वारा घर की सफाई की गई।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाए कि वाक्य में क्रिया का मुख्य संबंध कर्ता, कर्म या भाव से है, वह वाच्य कहलाता है।
   उदाहरण : 1. लड़कियाँ बाजार जा रही हैं।
   2. लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।
   3. हमसे वहाँ नहीं जाया जाता।
2. वाच्य तीन प्रकार के होते हैं:-1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य।

3. जिस वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन एवं पुरुष कर्ता के लिंग, वचन एवं पुरुष के अनुसार प्रयुक्त होते हैं, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं। इन वाक्यों में कर्ता की प्रधानता होती है।
4. जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र बिंदु कर्ता न होकर कर्म होता है अर्थात जिस वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन, पुरुष कर्ता के लिंग, वचन के अनुसार न होकर कर्म के अनुसार होते हैं, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।
5. जिस वाक्य में न तो कर्ता की प्रधानता होती है और न कर्म की, बल्कि क्रिया का भाव प्रधाान होता है। उसे भाववाच्य कहते हैं।

पाठ 15 : समास

क. निम्नलिखित सामासिक पदों का समास-विग्रह कीजिए :

1. भारत के वासी
2. कीचड़ में उगता है जो (कमल)
3. कमल के समान नयन
4. पेट भरकर
5. ऊपर और नीचे
6. पांच फलों का समाहार
7. प्रत्येक दिन
8. सुख और दु:ख
9. शक्ति के अनुसार
10. दश हैं आनन जिसके

ख. निम्नलिखित समास-विग्रहों के सामाजिक पद तथा समास-भेद लिखिए :

1. गजानन; बहुब्रीहि समास
2. दोपहर; द्विगु समास
3. हस्तलिखित; कर्म तत्पुरुष समास

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. समास का शाब्दिक अर्थ है-छोटा रूप अर्थात् जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बना एक स्वतंत्र शब्द समास कहलाता है। समास में पदों में प्रयुक्त विभक्ति चिह्न हटा लिये जाते हैं।
2. समास के मुख्य छ: भेद हैं:-

   1. अव्ययीभाव समास-जिस समास का पहला पद प्रधान हो या अव्यय हो तथा दूसरा पद या उत्तर पद गौण हो, उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं। उदाहरण:- यथाशक्ति-शक्ति के अनुसार, आजन्म:-जन्म से लेकर।

   2. तत्पुरुष समास:-तत्पुरुष समास में दूसरा पद अथवा पर पद प्रधान होता है। जिस समस्त पद में प्रथम पद के कारक का लोप हो जाता है एवं द्वितीय पद प्रधान हो जाता है। इस समास में कर्ता तथा संबोधन कारक को छोड़कर शेष सभी कारकों के विभक्ति चिह्नों का लोप हो जाता है।
   उदाहरण:-भूमिहीन - भूमि से रहित, घुड़सवार - घोड़े पर सवार।

   3. द्वंद्व समास:-जिस समस्त पद में दोनों पद प्रधान हों तथा योजक शब्दों का लोप हो, वहाँ द्वंद्व समास होता है। समस्त पद में योजक विराम चिह्न आता है। दूसरा पद प्रथम पद का विलोम होता है, लेकिन यह हमेशा नहीं होता। उदाहरण:-लाभ-हानि, जलवायु, शीतोष्ण-शीत या उष्ण।

   4. बहुब्रीहि समास:-जिस समस्त पद में दोनों पद गौण होते हैं और अन्य पद प्रधान होता है, उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं। योगरूढ़ शब्द तथा समस्त पद से बना पर्यायवाची शब्द बहुब्रीहि समास की सामान्यत: पहचान

है। समस्त पद का विग्रह करने पर-वाला है, जो, जिसका जिसकी, जिसके वह आदि आते हैं। उदाहरण:- दशानन- दस है सिर जिसके ।

श्वेतांबर - श्वेत है जिसके वस्त्र वह है सरस्वती।

5. द्विगु समास:- जिस समस्त पद में प्रथम पद संख्यावाची हो और द्वितीय पद संख्या पद हो, कभी-कभी द्वितीय पद भी संख्यावाची हो सकता है, द्विगु समास कहलाता है।

उदाहरण:-

दोराहा:-दो राहों का समूह, षटकोण:-छ: कोणों का समूह

6. कर्मधारय समास:-जिस समस्त पद में विशेषण-विशेष्य (एक पद विशेषण होता है तो दूसरा पद विशेष्य) तथा उपमान-उपमेय संबंध हो। उदाहरण : नीलकमल-नीला है जो कमल। महापुरुष-महान है जो पुरुष।

पाठ 16 : संधि

क. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए :

रवींद्र	देवर्षि
स्वागत	वीरोचित
अन्वेषण	पावक
पावन	सदैव
सत्यार्थी	विद्यार्थी
मतैक्य	हरीश
	महेन्द्र
एकेक	परिच्छेद
दुर्गंध	अतएव
उन्नति	पित्रोदेश

ख. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए :

अति + आचार	सूर्य + उदय
आशी: + वाद	महा + ऋषि
इति + आदि	परम् + ईश्वर
रमा + ईश	तप: + भूमि
नारी + ईश्वर	यदि + अपि
पितृ + आज्ञा	महा + औषधि
उत् + ज्वल	दीप + आवली
पुन: + जन्म	कमल + ईश
दु: + साहस	आवि:+कार

पाठ 19 : उपसर्ग एवं प्रत्यय

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) सह 2. (अ) दो 3. (द) परि

4. (स) संस्कृत भाषा का 5. (अ) अज्ञान

ख. सुमेलित कीजिए :

गढ़ाई, पिलाई, घटिया – भाववाचक कृदंत प्रत्यय,
सुहावना, लुभावना, हँसना – गुणवाचक तद्धित प्रत्यय,
मिटाना, चलाना, पढ़ाना – कर्मवाचक कृदंत प्रत्यय
प्यासा, गँवार – कर्त्तृवाचक कृदंत प्रत्यय
बछड़ा, मुखड़ा – ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए :

1. आई 2. इक 3. आ
4. आर 5. कार

घ. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. सत्य 5. असत्य

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. ऐसे शब्दांश जो किसी शब्द से पूर्व (पहले) जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

   उदाहरण – प्र + हार – प्रहार अर्थात चोट करना।
   वि + मुख – विमुख अर्थात विपरीत है मुख जिसका।

2. प्रत्यय के दो भेद हैं:- 1. कृत् प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय

   कृत प्रत्यय के उदाहरण:-
   अक – लेखक, नायक, गायक, पाठक।
   अक्कड़ – भुलक्कड़, घुमक्कड़।
   आक – तैराक, आई – लड़ाई, पढ़ाई, सिलाई, कटाई।
   तद्धित प्रत्यय के उदाहरण:-
   लघु + ता – लघुता सुंदर + ता – सुंदरता
   देव + ई – देवी अपना + पन – अपनापन

च. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. राजेश बहुत अच्छा गवैया है।
2. भारतीय सेना में राजपूताना बटालियन भी है।
3. कृतिका के चेहरे से भोलापन झलकता है।
4. दिखावटी सामान टिकाऊ नहीं रहता।

पाठ 20 : शुद्ध और अशुद्ध

क. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

1. बढ़ई 2. क्योंकि 3. लड़की
4. चाहिए 5. त्योहार 6. तृतीय
7. सैनिक 8. बीमारी 9. पत्नी
10. हानि

ख. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए (यदि कोई वाक्य शुद्ध है तो उसे ज्यों का त्यों लिखिए) :

1. ब्रह्मा ने उसे दिव्य-दृष्टि दी।
2. दिल्ली में डेंगू का प्रकोप है।
3. रोगी को फल काटकर खिलाओ।
4. गाय के दूध का घी अति उत्तम है।
5. केवल सौ रुपये चाहिए।
6. हम वहाँ नहीं जा सकते।
7. घड़े का ठंडा पानी पिलाइए।
8. नदियों में बाढ़ आ रही है।
9. नीचे मत देखो।
10. सूर्य पूरब में उगता है।
11. हरीश ने पूजा कर ली है।
12. रेलगाड़ी छूट चुकी है।

पाठ 21 : शब्द भंडार

क. विलोम लिखो :

1.	अस्त	2.	दुरात्मा
3.	विक्रय	4.	अपमान
5.	निर्यात	6.	छाया
7.	परिश्रम	8.	फूटकर
9.	अनादि	10.	कटु
11.	अनुपस्थित	12.	नास्तिक
13.	अवगुण	14.	लिखित
15.	अपकार	16.	स्तुति
17.	अनुत्तीर्ण	18.	विदेश
19.	निरक्षर	20.	हर्ष
21.	चेतन	22.	अहिंसा
23.	महान	24.	दुर्भाग्य
25.	दानव	26.	रंक
27.	सदाचारी	28.	हानि
29.	अधर्म	30.	परतंत्र

ख. रंगीन शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए :

1.	असत्य	2.	व्यय
3.	अनुपस्थित	4.	लिखित
5.	गुणों	6.	मूर्ख
7.	उदय, पश्चिम	8.	उत्तर
9.	रात	10.	रंक

अभ्यास (पेज 92)

क. दिए गए मूल शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए :

1. सुधा, पीयूष
2. भगवान, परमात्मा,
3. ताकत, बल
4. गृह, सदन
5. बेटी, सुता
6. पहाड़, गिरि
7. मेघ, जलद
8. नभ, आसमान
9. चपला, चंचला
10. समुद्र, जलधि
11. अश्व, हय
12. गज, हस्ती
13. सितारा, नक्षत्र
14. सिंह, केसरी
15. सूर्य, रति
16. सृप, नाग

ख. निम्नलिखित शब्द-समूहों में से उन शब्दों पर गोला बनाइए जो समूह से अलग हैं :

1. नदी
2. मेघ
3. देवता

अभ्यास (पेज 94)

1. अनल (आग) जब अनल जल रही हो तो उससे दूर रहना चाहिए।
   अनिल (हवा) शीतल अनिल बह रही है।
2. निधन (मर जाना) राहुल के दादा जी का निधन हो गया।
   निर्धन (गरीब) मेरा मित्र एक निर्धन परिवार से है।

अभ्यास (पेज 96)

क. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उपयुक्त शब्द चुनकर लिखिए :

1. नवजात
2. कटुभाषी
3. अहंकारी
4. अधीर
5. हस्तलिखित
6. हितैषी
7. जलचर
8. चरित्रवान
9. परोपकारी
10. नश्वर

ख. इनके लिए वाक्यांश लिखिए :

1. दूर की सोचने वाला
2. जिसके हृदय में दया न हो
3. जो गुप्त रखने योग्य हो
4. आँखों के सामने
5. पर्ण की बनी हुई कुटी
6. जो जाना नहीं जा सके
7. जिसके माता-पिता न हो
8. जो दिखाई न दे

अभ्यास (पेज 98)

क. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए :

1. हाथ, शुल्क, टैक्स
2. चिट्ठी, पत्ता
3. दिन, हमला
4. पराजय, माला

5. एक धातु, सोने की क्रिया
6. मशीन, आने वाला या बीता हुआ दिन
7. बकरा, ब्रह्मा
8. गोद, संख्या

ख. रंगीन शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है, लिखिए :

1. एक दिशा
2. नतीजा, परिणाम
3. किनारा
4. एक धातु
5. आसमान, आकाश
6. आने वाला कल (समय)
7. एक रंग
8. चिट्ठी

ग. दिन गए शब्दों के अर्थ लिखिए और दो अर्थों में वाक्य बनाइए :

1. रंग :- लाल वर्ण के फूल सुंदर दिख रहे हैं।
   अक्षर :- वर्ण दो प्रकार के होते हैं-स्वर और व्यंजन।
2. चिट्ठी :- मैंने माँ को पत्र लिखा।
   पत्ता :- चींटा पत्र पर चढ़ गया।
3. दिन :- आज सोमवार है।
   हमला :- दुश्मनों ने उस पर पीछे से वार किया।
4. एक दिशा :-भारत के उत्तर में हिमालय है।
   जवाब :- मैंने सभी प्रश्नों के सही उत्तर लिखे।

अभ्यास (पेज 102)

क. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. बहुत अधिक खुश होना:-जब से रिया की शादी तय हुई है उसके तो धरती पर पाँव नहीं पड़ रहे।
2. धोखा देना:-चोर पुलिस को चकमा देकर भाग गया।
3. व्यर्थ की धमकी देना:-तुम्हारे बंदर घुड़की देने से मैं डर नहीं जाऊँगा।
4. अत्यंत लज्जित होना:-अपने बेटे की करतूतों के बारे में जानकर रजत के माता-पिता पर घड़ों पानी पड़ गया।
5. अपने आपे में न रहना:-गुस्से में अजीत का अपने ऊपर काबू नहीं रहता मानो उसके ऊपर खून सवार हो जाता है।

ख. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए :

1. उड़न-छू हो जाए
2. अपना सिक्का जमा लिया है।
3. अक्ल के दुश्मन
4. कलेजा काँप गया।
5. ईंट-से-ईंट बजा दूंगा।

ग. निम्नलिखित अर्थों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए:

1. एक और एक ग्यारह होना
2. हथेली पर सरसों उगाना
3. मरने को भी छुट्टी न होना
4. आ बैल मुझे मार
5. घाट-घाट का पानी पीना

घ. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए :

1. जबरदस्ती गले पड़ना
2. जब अंत ठीक हुआ है तो सब ठीक है
3. अनपढ़ होना
4. मूर्ख को गुण की परख न होना
5. एक खराब चीज सारी चीजों को खराब कर देती है।

ङ. नीचे दिए गए अर्थ के आधार पर लोकोक्तियाँ लिखिए :

1. पूत के पाँव पालने में दिखना,
2. विधि का लिखि को मेटनहारा
3. प्राण जाय पर वचन ना जाई।
4. लेना एक न देना दो
5. छप्पर फाड़कर मिलना।

च. खाली स्थान भरकर सही लोकोक्ति बनाइए :

1. मार
2. भेदी
3. सब
4. बैल मरे या सूखा
5. जुलाहा मारा

व्याकरण ज्योति - 8

पाठ-1 : भाषा, व्याकरण और बोली

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) भाषा
2. (अ) लिखित भाषा
3. (ब) राष्ट्रभाषा
4. (द) इनमें से कोई नहीं

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

	स्तम्भ 'अ'		स्तम्भ 'ब'
1.	हिंदी और संस्कृत	ग.	देवनागरी
2.	उर्दू	क.	फारसी
3.	अंग्रेजी	घ.	रोमन
4.	पंजाबी	ख.	गुरुमुखी

ग. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही-सही भरिए :

1. भाषाएँ
2. शब्द-विचार
3. वाक्य-विचार
4. कन्नड़
5. वर्ण-विचार

घ. निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही (✓) तथा गलत (✗) का चिह्न लगाइए :

1. ✓
2. ✗
3. ✓
4. ✗
5. ✓
6. ✓
7. ✓
8. ✓
9. ✓
10. ✗

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम अपने भावों को अथवा विचारों को लिखित अथवा मौखिक रूप से दूसरों को समझा सकें और दूसरों के भावों को समझ सकें।

2. व्याकरण के मुख्य चार भेद हैं:-

   1. वर्ण-विचार
   2. शब्द-विचार
   3. वाक्य-विचार
   4. पद-विचार

   1. वर्ण-विचार:-व्याकरण के जिस भाग में वर्णों के आकार, उच्चारण और उनके मेल से शब्द बनने का अध्ययन किया जाता हैं, उसे वर्ण विचार कहते हैं। वर्ण-विचार में वर्णमाला को पढ़ा जाता है।

   2. शब्द-विचार:-व्याकरण के जिस भाग में शब्दों की उत्पत्ति, विकास, आगमन और अर्थ आदि का अध्ययन किया जाता है, उसे शब्द-विचार कहते हैं।

   3. वाक्य-विचार:-व्याकरण के जिस भाग में वाक्य की उत्पत्ति, वाक्य के भेद, वाक्य की बनावट, शब्दों के आपसी संबंध और पदों का क्रम जाना जाता है, उसे वाक्य-विचार कहते हैं। भाषा की सबसे छोटी इकाई वाक्य है, जो शब्दों के मेल से बनती है। भाषा की सबसे छोटी इकाई वाक्य है,

जो शब्दों के मेल से बनती हैं।

4. पद-विचार:-हिंदी भाषा में वाक्य को बोला या लिखा जाता है, जब किसी शब्द का किसी वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तब एक विशेष शब्द को एक विशेष पद प्राप्त होता है, और व्याकरण के अंतर्गत पद-विचार में इसी का अध्ययन होता है।

3. कोई भी मनुष्य शुद्ध भाषा का पूर्ण ज्ञान व्याकरण के बिना प्राप्त नहीं कर सकता। अत: भाषा और व्याकरण का घनिष्ठ संबंध है। व्याकरण भाषा में उच्चारण, शब्द-प्रयोग, वाक्य-गठन तथा अर्थों के प्रयोग के रूप को निश्चित करता है।

4. भाषा के प्रमुख दो रूप हैं:-1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा
मौखिक भाषा:-भाषा का वह रूप जिसमें व्यक्ति बोलकर अपने विचारों को व्यक्त करता है और दूसरा व्यक्ति सुनकर उसे समझता है; उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

पाठ 2 वर्ण-विचार

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) वर्ण 2. (अ) स्वर
3. (स) दो 4. (स) अ, इ, उ

ख. वर्ण विच्छेद कीजिए :

1. औ + ल् + आ + द् + अ
2. प् + आ + ठ् + अ + श् + आ + ल् + आ
3. आ + क् + आ + श् + अ
4. स् + अ + फ् + ए + द् + अ
5. भ् + अ + ग् + अ + व् + आ + न् + अ
6. व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
7. य् + ओ + ग् + आ + स् + अ + न् + अ

ग. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्ताक्षर और द्वित्व व्यंजन वाले शब्द अलग-अलग कारक लिखिए :

संयुक्ताक्षर वाले शब्द : पत्थर, अच्छा, ज्वाला, उद्यान, मच्छर
द्वित्व व्यंजन वाले शब्द : अव्वल, सज्जा, मुरब्बा, लट्टू, बच्चा

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते हैं, जिसके खंड या टुकड़े नहीं हो सकते। भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है और इस ध्वनि को वर्ण कहते हैं। वर्ण के दो भेद होते हैं:-1. स्वर, 2. व्यंजन

1. स्वर:-जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है और जो व्यंजनों के उच्चारण में सहायक हों, वे स्वर कहलाते हैं। ये संख्या में ग्यारह है।

2. व्यंजन:-व्यंजन ऐसी ध्वनियाँ होती हैं, जिनका उच्चारण करने के लिए हमें स्वर की सहायता लेनी पड़ती है। हिंदी व्याकरण में 36 व्यंजन होते हैं।

2. स्वरों को हम तीन भागों में बांट सकते हैं:-

1. हस्व स्वर, 2. दीर्घ स्वर, 3. प्लुत स्वर

3. संयुक्त व्यंजन:-संयुक्त व्यंजनों में दो अलग-अलग व्यंजनों का योग होता है, जिससे उन व्यंजनों का मूल स्वरूप समाप्त हो जाता है और नया व्यंजन बनता है। ये संख्या में चार होते हैं- क्ष, त्र, ज्ञ और श्र।

उदाहरण:-कला, श्रमिक, त्रिशूल, ज्ञानी, क्षत्रिय।

द्वित्व व्यंजन:-द्वित्व व्यंजन से तात्पर्य उस व्यंजन से होता है, जो एक ही वर्ण दो बार समान रूप से दो बार प्रयुक्त होता है। द्वित्व व्यंजन में एक वर्ण अर्द्ध रूप में तथा एक वर्ण पूर्ण रूप में प्रयुक्त किया जाता है।

उदाहरण:-बच्चा, चम्मच, मिट्टी, रस्सी बिल्ली।

पाठ 3 : शब्द-विचार

क. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के लिए तद्भव शब्द लिखिए:-

1. लाख	2. मोर	3. पलंग
4. नाम	5. कंगन	6. साँप
7. नींद	8. गाँव	9. बात
10. हाथ		

ख. निम्नलिखित तद्भव शब्दों के लिए तत्सम शब्द लिखिए :

1. वानर	2. बिछतन	3. काग
4. सूत्र	5. प्रहर	6. दिवस
7. भिक्षा	8. पत्र	9. क्षेत्र
10. घट		

ग. निम्नलिखित शब्दों में से विकारी तथा अविकारी शब्दों को अलग-अल करके लिखिए :

विकारी शब्द : छोटा, गाय, मैं, मोटा, हँसना, हम, ये, थोड़ा, अकबर, घोड़ा, शत्रु, कूदना, मैना, खेलना, फल से, वह, अकबर, कालीन, काला, गोरा, तुम, पुस्तक, थोड़ा, कमल, मंदिर, पैदल, ऊँचा, निर्धन, बूढ़ा, हम, तुम्हारा, गाना, दौड़ना।

अविकारी शब्द : में, पर, क्योंकि, वाह!, केसे!, अरे, छि:, लेकिन, परंतु।

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। उदाहरण:-कार, देवता, घर, मनुष्य, जानवर, पर्वत, शिक्षा, दुकान आदि।
2. शब्दों का वर्गीकरण चार आधारों पर किया जा सकता है:-

   1. व्युत्पत्ति के आधार पर 2. उत्पत्ति के आधार पर
   3. प्रयोग के आधार पर 4. अर्थ के आधार पर।

3. तत्सम शब्द:-संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिंदी भाषा में ज्यों के त्यों ले लिए गए हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

   तद्भव शब्द:-संस्कृत भाषा के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिंदी शब्दावली में आ गए हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहा जाता है:-

उदाहरण:

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
अक्षि	आँख
उच्च	ऊँचा
एकादश	ग्यारह
कार्य	काज
गृह	घर
दंत	दांत

4. पाँच भाषाएँ जिनके शब्द हिंदी भाषा में ले लिए गए हैं, वे निम्नलिखित है:-
   1. अंग्रेजी:-माइक, पैन, कॉलेज, डॉक्टर, पेंसिल।
   2. अरबी:-औरत, कुर्सी, लिफाफा, औलाद, हिम्मत।
   3. फारसी:-चश्मा, अनार, जमीन, गुब्बारा, खून।
   4. पुर्तगाली:-अचार, साबुन, संतरा, तौलिया, कॉफी।
   5. तुर्की:-खंजर, केंची, चाकू, चुगली, कालीन।
5. वे शब्द जिनका कोई अर्थ निकलता हो, सार्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे:-शत्रु, डंडा, पानी, गरीब, सुबह आदि। वे शब्द जिनका कुछ भी या कोई भी अर्थ न निकले निरर्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे:-थनाक, ताका, शाकरि, गामिदा, यारूप आदि।

पाठ 4 : संज्ञा

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) संज्ञा
2. (द) कुत्ते भौंक रहे हें।
3. (अ) भाव का नाम

ख. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों में से भाववाचक, व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञा छाँटकर अलग-अलग लिखिए :

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
भारत, मीराबाई	नदी, शेर, पहाड़, पक्षी	यौवन, बुढ़ापा,मित्रता
तुलसीदास, अकबर	गाय, छात्र, सेना	दु:ख, गरमी
कबीरदास		

ग. नीचे लिखे वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों तथा उनके भेदों को लिखिए :

	संज्ञा शब्द	भेद का नाम
1.	दुकानदार	जातिवाचक
2.	स्वास्थ्य	भाववाचक
3.	मोहन	व्यक्तिवाचक
4.	भारतीय, सेना	जातिवाचक, समूहवाचक
5.	इमारत	जातिवाचक

6. गाय,बछड़े जातिवाचक
7. कारीगर, गाड़ी जातिवाचक
8. सेविका, ममत्व जातिवाचक, भाववाचक

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा अवस्था या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे:-राहुल, पंखा, चिड़िया, जानवर, मिठास आदि।

   संज्ञा के पांच भेद हैं:-1. जातिवाचक संज्ञा, 2. भाववाचक संज्ञा, 3. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 4. समुदायवाचक या समूहवाचक संज्ञा, 5. द्रव्यवाचक संज्ञा।

2. जातिवाचक संज्ञा:-जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु, स्थान आदि की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं। वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

   उदाहरण : 1. **बच्चे खिलौनों** से खेल रहे हैं।
   2. **पेड़ों** पर **पक्षी** बैठे हैं।

   उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

   भाववाचक संज्ञा:-किसी गुण, दोष, अवस्था, मन के भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

   उदाहरण:- 1. दही में **खटास** कम है।

2. प्रत्येक व्यक्ति को अपना **बचपन** याद रहता है।

   उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द भाववाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

3. समूहवाचक संज्ञा:-जिन संज्ञा शब्दों से वस्तुओं के समूह का या समुदाय का बोध हो उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण:-सभा, सेना, गुच्छा, कक्षा आदि।

   द्रव्यवाचक संज्ञा:-जिस संज्ञा शब्द से किसी तरल, ठोस, अधातु, धातु, पदार्थ, द्रव्य आदि वस्तुओं का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण:-तांबा, पीतल, सोना, घी, पानी गेहूँ आदि।

4. जातिवाचक संज्ञा:-जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु, स्थान आदि की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

   उदाहरण:-1. **बच्चे खिलौनों** से खेल रहे हैं।

   व्यक्तिवाचक संज्ञा:-जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

   उदाहरण: 1. **महेन्द्र सिंह धोनी** सबसे अच्छे बल्लेबाज हैं।
   2. **गंगा** एक पवित्र नदी है।

   उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

पाठ 5 : संज्ञा के विकारक तत्व - लिंग

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) उपरोक्त 'अ' व 'ब' दोनों
2. (ब) तेजस्वी
3. (ब) विद्वान

ख. इनका सही मिलान करो :

1. ग. शिष्या, 2. क. प्राचार्या 3. ङ. धाविका
4. ख. संरक्षिका 5. घ. तेजस्विनी

ग. नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए :

श्रीमान – श्रीमती	स्वामिनी – स्वामी
अध्यक्ष – अध्यक्षा	अभिनेता – अभिनेत्री
प्रचारक – प्रचारिका	कहार – कहारिन
कवि – कवयित्री	बिल्ली – बिल्ला
विद्वान – विदुषी	ग्वालिन – ग्वाला

घ. रंगीन शब्दों के लिंग का नाम (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग) संबंधित वाक्य के सामने लिखिए :

1. स्त्रीलिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग
4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिंग 6. स्त्रीलिंग
7. पुल्लिंग

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम के स्त्री या पुरुष जाति होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो प्रकार हैं:-
   1. पुल्लिंग:-उदाहरण-नर, सिंह।
   2. स्त्रीलिंग:-उदाहरण-नारी, सिंहनी।
2. गिलहरी, कुर्सी, मछली, इमारत, रात।
3. पानी, पहाड़, सिर, चावल, समुद्र।
4. 'ता' को 'त्री' में बदलते हुए किन्हीं पाँच पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द :

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अभिनेता	अभिनेत्री
नेता	नेत्री
दाता	दात्री
कर्ता	कर्त्री
रचयिता	रचयित्री

5. 'वान' को 'वती' करने पर पुल्लिंग शब्दों का स्त्रीलिंग शब्दों में परिवर्तन :

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ज्ञानवान	ज्ञानवती
धनवान	धनवती
पुत्रवान	पुत्रवती
बलवान	बलवती
रूपवान	रूपवती
प्राणवान	प्राणवती
सत्यवान	सत्यवती

च. निम्न वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1. कुत्ता रसोई में घुस गया है।
2. खेत में जाट-जाटनी काम कर रहे हैं।
3. कुम्हारिन चाक को घुमा रही है।
4. मेज पर बिल्ली बैठी है।
5. कार्यालय में अध्यापक काम कर रहे हैं।
6. मोहन टेलीविजन देख रहा है।
7. राजू की आँखें हमेशा लाल रहती हैं।
8. लोकेश की साइकिल नयी है।

पाठ 6 : वचन

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) वे
2. (द) चिड़ियाँ
3. (स) कली-कलियाँ
4. (अ) संज्ञा शब्दों से
5. (ब) आदर के लिए

ख. नीचे दिए गए शब्दों के सही वचन बनाकर उनको खाली स्थानों में सही-सही भरिए :

1. कुर्सियाँ
2. पौधे
3. बंदर
4. चिड़ियाँ
5. बच्चे

ग. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य
2. सत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. असत्य

घ. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए :

1. पुड़ियाँ
2. रुपये
3. सप्ताह
4. मालाएँ
5. तिथियाँ
6. पहेलियाँ
7. चट्टानें
8. स्त्रियाँ
9. दवाइयाँ
10. नृत्यांगनाएँ

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु के संख्या में एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद हैं :- 1. एकवचन 2. बहुवचन।
   1. एकवचन:-संज्ञा का वह रूप जिससे उसका संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं। उदाहरण:-बच्चा, पुस्तक, गमला, बकरा आदि।
   2. बहुवचन:-संज्ञा का वह रूप जिससे उसका संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं। उदाहरण:-बच्चे, पुस्तकें, गमले, बकरे आदि।
3. एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम:-
   1. अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम अ को एँ कर देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं। जैसे:-
      आँख-आँखें, पुस्तक-पुस्तकें

2. आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंतिम 'आ' को 'ए' कर देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं। जैसे:-घोड़ा-घोड़े, केला-केले
3. आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'आ' के बाद 'एँ' लगा देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं।
जैसे:- कन्या - कन्याएँ, कला - कलाएँ
4. इकारांत अथवा ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' लगा देने से और दीर्घ 'ई' को ह्रस्व इ कर देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं। जैसे:- कॉपी-कापियाँ थाली-थालियाँ
5. जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में या है उनके अंतिम आ को आँ कर देने से वे बहुवचन बन जाते हैं। जैसे:-
गुड़िया-गुडियाँ चुहिया-चुहियाँ
6. कुछ शब्दों में अंतिम उ, ऊ और औ के साथ एँ लगा देते हैं और दीर्घ ऊ के स्थान पर ह्रस्व उ हो जाता है। जैसे:-
गौ-गौएँ, वधू-वधुएँ
7. दल, वृंद, वर्ग, जन लोग, गण आदि शब्द जोड़कर भी शब्दों का बहुवचन बना देते हैं। जैसे:-
अध्यापक-अध्यापकवृंद, विद्यार्थी - विद्यार्थीगण
8. कुछ शब्दों के रूप 'एकवचन' और 'बहुवचन' दोनों में समान होते हैं। जैसे:-
क्षमा-क्षमा, जल-जल, नेता-नेता प्रेम-प्रेम

4. सदा बहुवचन में प्रयोग किए जाने वाले शब्द :
समाचार हस्ताक्षर प्राण
लोग दर्शन
5. सदा एकवचन में प्रयोग किए जाने वाले शब्द :
तेल दूध जनता
वर्षा पानी

च. निम्नलिखित शब्दों के वचन लिखिए :

1. एकवचन 2. एकवचन 3. एकवचन
4. बहुवचन 5. एकवचन 6. बहुवचन
7. एकवचन 8. एकवचन 9. बहुवचन
10. एकवचन

पाठ 7 : कारक

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) अपादान कारक 2. (ब) कारक
3. (अ) क्रिया होने के स्थान का 4. (ब) ने

ख. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त कारक चिह्न लगाइए :

1. ने 2. को 3. में
4. से 5. में 6. की
7. वाह!

ग. निम्नलिखित वाक्यों तथा कारकों के नाम पढ़कर सही (✓) तथा गलत (✗) का चिह्न लगाइए :

1. ✗ 2. ✗ 3. ✓
4. ✗ 5. ✗ 6. ✓
7. ✓ 8. ✓

घ. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के सही रूप से वाक्यों को पूरा कीजिए :

1. हरीश 2. कुत्ते 3. हम
4. पत्ता 5. माला 6. भगवान
7. पानी 8. तोता 9. गाय
10. भिखारी

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का वह रूप, जिसका सीधा संबंध क्रिया से होता है, कारक कहलाता है। क्रिया के साथ संज्ञा का सीधा संबंध ही कारक है।

2. कारक के आठ भेद हैं, जिनके कारक चिह्न अलग-अलग हैं। कारक चिह्नों का विवरण निम्नलिखित हैं:-

कारक	कारक चिह्न
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
संप्रदान	को, के लिये, हेतु
अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
संबंध	का, की, के, रा, री, रे
अधिकरण	में, पर
संबोधन	हे!, अरे!, ऐ!, ओ!, हाय्!

3. वाक्य में संज्ञा को बुलाने या पुकारने के लिए प्रयुक्त शब्दों को संबोधन कारक कहते हैं। संबोधन कारक के विभक्ति चिह्न हे, ओ एवं अरे होते है। वाक्य में जिसे बुलाया जा रहा है, उस शब्द से पहले संबोधन कारक का प्रयोग किया जाता है।

   उदाहरण:- 1. ओ! मोहन यहाँ आओ।
   2. अरे बच्चो! तुम उधर मत जाना।

4. वाक्य में वह संज्ञा या सर्वनाम पद जो क्रिया करने वाले का बोध करवाता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं। कर्ता कारक का कारक चिह्न 'ने' है।

5. किसी वाक्य में कर्ता जिस माध्यम से क्रिया करता है। उस माध्यम को करण कारक कहते हैं। कारण कारक का कारक चिह्न, 'से' तथा के द्वारा है।

   उदाहरण:- 1. रमेश यहाँ बस से आता है।
   2. चाकू के द्वारा फल काटा गया।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. राम ने कुत्ते को डंडे से मारा।
2. वृक्ष से पत्ता गिरा।
3. इस कुएँ में बहुत पानी है।
4. वह तस्वीर रमेश की है।
5. वाह ! कितना सुंदर फूल है।

छ. 'भालू' शब्द की कारक-रचना कीजिए :

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	भालू ने	भालुओं ने
कर्म	भालू को	भालुओं को
करण	भालू से/के द्वारा	भालुओं से/के द्वारा
सम्प्रदान	भालू को/के लिए	भालुओं को/के लिए
अपादान	भालू से	भालुओं से
संबंध	भालू का/की/के	भालुओं का/की/के
अधिकरण	भालू में/पर	भालुओं में/पर
संबोधन	हे भालू	हे भालुओं!

पाठ 8 : सर्वनाम

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) प्रश्नवाचक सर्वनाम
2. (अ) वह इस कार्य को खुद कर लेगा
3. (अ) यही मेरा घर है।
4. (अ) पुरुषवाचक सर्वनाम

ख. रिक्त स्थानों में सर्वनाम के सही रूप को भरिए :

1. आप
2. तू
3. कोई
4. मैं
5. उसके
6. मेरी
7. वे
8. मुझे

ग. निम्न वाक्यों में आए सर्वनाम शब्द तथा उनके भेद लिखिए :

1. उसे - पुरूषवाचक सर्वनाम
2. कहाँ - प्रश्नवाचक सर्वनाम
3. कोई - अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. उसे - पुरुषवाचक सर्वनाम
5. जैसा, वैसा - संबंधवाचक सर्वनाम

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द, सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे:-मैं, तुम, हम, वह, आप, उसकी, उसके, आदि।
2. सर्वनाम के छः प्रकार हैं:
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम
   2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. संबंधवाचक सर्वनाम

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

पुरुषवाचक सर्वनाम:-जो सर्वनाम वक्ता (बोलनेवाला) श्रोता (सुननेवाला) तथा किसी अन्य के लिए प्रयुक्त होता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे:-मैं, तू, वह आदि।

3. पुरुषवाचक सर्वनाम:-जो सर्वनाम वक्ता (बोलनेवाला) श्रोता (सुननेवाला) तथा किसी अन्य के लिए प्रयुक्त होता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण:- 1. मैं घूमने जा रहा हूँ। 2. आप आराम कीजिए।
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या पदार्थ का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण:- 1. कोई आ रहा है। 2. कुछ खाने को दीजिए।

   निश्चयवाचक सर्वनाम:-जो सर्वनाम निकट या दूर की किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करें, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण:-1. यह मेरी पुस्तक है। 2. वह अमित की गाड़ी है।
5. जो सर्वनाम, वाक्य की दूसरी संज्ञा या सर्वनाम से संबंध दिखाने के लिए प्रयुक्त हो, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण:- 1. जिसकी लाठी, उसकी भैंस।
   2. जैसा कर्म, वैसा फल।
   3. जैसा करोगे, वैसा भरोगे।
   4. उतना खाओ, जितना पचा सको।
   5. जो मेहनत करेगा, वो जितेगा।
6. प्रश्नवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम से किसी प्रश्न का बोध होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण:-1. तुम कौन हो? 2. कौन शोर मचा रहा है?

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या पदार्थ का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण:- 1. कोई आ रहा है। 2. कुछ खाने को दीजिए।

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. मैं स्कूल जा रहा हूँ।
2. हम किताब पढ़ रहे हैं।
3. उनकी यहाँ कल तक आने की संभावना है।
4. मैं यह कार्य अपने आप कर लूँगा।
5. दिनेश ने खाना खा लिया है।

पाठ 9 : विशेषण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (स) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
2. (स) चार
3. (द) संख्यावाचक विशेषण
4. (द) बिकाऊ

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण व विशेष्य शब्द छाँटकर लिखिए :

	विशेषण शब्द	विशेष्य
1.	मेहनती	किसान
2.	अकेला	व्यक्ति
3.	कमजोर	बुढ़िया
4.	मोटा	हाथी
5.	चालाक	कौआ
6.	नकलची	बंदर
7.	ठंडा	पानी

ग. सामने लिखे शब्दों को खाली स्थानों में सही-सही भरिए :

1. काली 2. मीठे 3. पतला
4. तीस ग्राम 5. विशेषता

घ. निम्नलिखित में जो परिणामवाचक विशेषण हैं, उनके लिए (प) तथा जो संख्यावाचक विशेषण हैं, उनके लिए (स) लिखिए :

1. प 2. प 3. प
4. प 5. स 6. स

ड. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
2. विशेष्य:-जिस संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द की विशेषता बताई जाए वह विशेषण कहलाता है। जैसे:-सुंदर लड़की में 'लड़की' विशेष्य है।

   विशेषण:-संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

   जैसे:-सुंदर लड़की में 'सुंदर' विशेषण है।
3. जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा अथवा माप-तौल का ज्ञान हो, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

   उदाहरण:- 1. दस लीटर दूध ले आओ। 2. थोड़ा-सा पानी पिलाओ।
4. गुणवाचक विशेषण के उदाहरण:-
   1. पंजाबी लड़का छोले-भठूरे खाता है।
   2. पृथ्वी गोल है।
   3. ठंडी हवा चल रही है।

   संख्यावाचक विशेषण के उदाहरण:-
   1. मेरी कक्षा में चालीस बच्चे पढ़ते हैं।
   2. राहुल पहली कक्षा में पढ़ता है।
   3. चार लड़कियाँ झगड़ रही हैं।

च. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. मुझे पाँच पुस्तकों की जरूरत है।

2. घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है।
3. मोहन के पास वकील के जैसा काला कोट है।
4. रामू ने काला कोट पहन रखा है।
5. राधे काली गेंद से खेल रहा है।

छ. तालिका पूरी कीजिए –

1. पेड़ पर्वत	2. खुजली नजर	3. स्वर गीत
4. दुकान मिठाई	5. अंक आवाज	6. बुद्धि स्वर
7. लड़का व्यक्ति		

पाठ 10 : क्रिया तथा काल

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (ब) पढ़	2. (अ) दो
3. (ब) सकर्मक क्रियाएँ	4. (ब) अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं

ख. निम्नलिखित वाक्यों में कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताइए :

1. अकर्मक क्रिया	2. सकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया	4. अकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया	6. सकर्मक क्रिया
7. सकर्मक क्रिया	8. सकर्मक क्रिया
9. सकर्मक क्रिया	10. अकर्मक क्रिया

ग. निम्नलिखित विकल्पों में से सही क्रिया-भेद चुनकर लिखिए :

1. अकर्मक	2. सकर्मक	3. प्रेरणार्थक
4. अकर्मक	5. प्रेरणार्थक	

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. जिस शब्द अथवा शब्द समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
   सकर्मक क्रिया के उदाहरण –
   1. अध्यापक पाठ पढ़ा रहा है।
   2. मैंने नए कपड़े खरीदे।
   3. महेश पत्र लिखता है।
   4. माँ ने आम खाया।
2. अकर्मक क्रिया:-जिन क्रियाओं का फल सीधा कर्ता पर ही पड़े वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। ऐसी क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता नहीं होती। उदाहरण: 1. मुकेश बैठा है।
   2. वह जा रहा है।
   3. अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

   सकर्मक क्रिया : जिन क्रियाओं को फल (कर्त्ता को छोड़कर) कर्म पर पड़ता है वे सकर्मक क्रिया कहलाती हैं। इन क्रियाओं में कर्म का होना आवश्यक है। उदाहरण : 1. अध्यापक पाठ पढ़ा रहा है।
   2. मैंने नए कपड़े खरीदे।
   3. महेश पत्र लिखता है।
   4. माँ ने आम खाया।

3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे:-लिख, पढ़, जा, खा, गा, रो आदि।

उदाहरण एवं वाक्य प्रयोग :

1. रो - गौरव रोता है।
2. लिख - वह पत्र लिख रहा है।
3. पी - मैंने जूस पीया।
4. नाच - लड़कियाँ नाच रही हैं।
5. खा - मोहन मिठाई खाता है।
6. आ - हमारे घर मेहमान आए हैं।
7. दे - पिता जी ने मुझे सौ रूपये दिये।
8. पढ़ - बच्चे पाठ पढ़ रहे हैं।
9. गा - मैंने गाना गाया।
10. खेल - लड़के मैदान में खेलते हैं।

4. क्रिया के जिस रूप में कार्य करने या होने के समय का ज्ञान हो, उसे काल कहते हैं। काल तीन प्रकार के होते हैं:-

1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल

तीनों कालों के उदाहरण :

1. मैं ठंडा दूध पीता हूँ। (वर्तमान काल)
2. मैंने ठंडा दूध पीया। (भूतकाल)
3. मैं ठंडा दूध पीऊँगा। (भविष्यत् काल)

5. वर्तमान काल निम्नलिखित छः प्रकार का होता है:-

1. सामान्य वर्तमान काल:-क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया का वर्तमान काल में होना पाया जाए, सामान्य वर्तमान काल कहलाता है।
   उदाहरण:-1. मैं नहाता हूँ। 2. दादी पूजा करती हैं।
2. अपूर्ण वर्तमान काल-क्रिया के जिस रूप से कार्य के होते रहने का बोध होता है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:-1. पक्षी उड़ रहे हैं। 2. हम खाना खा रहे हैं।
3. पूर्ण वर्तमान काल-क्रिया के जिस रूप से प्रतीत हो कि कार्य अभी-अभी हुआ है। उसे पूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:-1. बालक पढ़ चुके हैं। 2. मेहमान आ चुके हैं।
4. संदिग्ध वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में कार्य के होने में संदेह हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं। उदाहरण:-
   1. रमा मेरी प्रतीक्षा करती होगी। 2. रमा पढ़ती होगी।
5. संभाव्य वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में कार्य होने की संभावना रहती है, उसे संभाव्य वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:- 1. वह आया हो। 2. उसने खाया हो।
6. तात्कालिक वर्तमान काल:-काल के जिस रूप से यह पता चलता है कि क्रिया वर्तमान में चल रही है, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:-1. मैं पढ़ रहा हूँ। 2. वह खेल रहा है।

भूतकाल के निम्नलिखित छः प्रकार हैं :-

1. सामान्य भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से क्रिया के बीते समय का पता चले उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं:-

   उदाहरण:- 1. मैं सुबह घूमने गया। 2. पिताजी दुकान पर गये।

2. आसन्न भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चलें कि कार्य उसी कुछ समय पहले ही समाप्त हुआ है, उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं।

   उदाहरण:-1. रात हो गयी है। 2. वह बाजार गया है।

3. पूर्ण भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य दिए-गए-समय के पहले ही पूरा किया गया है, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं।

   उदाहरण: 1. माँ आराम कर चुकी थीं।
   2. घर में सफाई हो चुकी थी।

4. अपूर्ण भूतकाल:-जिस क्रिया से यह ज्ञात हो कि भूतकाल में कार्य पूर्ण संपन्न नहीं हुआ था, अभी चल रहा था, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं।

   उदाहरण: 1. गायक गीत गा रहा था।
   2. नौकरानी सफाई कर रही थी।

5. संदिग्ध भूतकाल:-भूतकाल की जिस क्रिया से कार्य होने में अनिश्चितता अर्थात संदेह प्रकट हो, उसे संदिग्ध भूतकाल कहते हैं।

   उदाहरण: 1. दुकानें बंद हो चुकी होंगी।
   2. बारिश रुक चुकी होगी।

6. हेतुहेतुमद् भूतकाल:-यदि भूतकाल में एक क्रिया के होने या न होने पर दूसरी क्रिया का होना या न होना निर्भर करता है। तो वह हेतु-हेतु मद् भूतकाल कहलाता है।

   उदाहरण: 1. यदि वर्षा होती, तो फसल अच्छी होती।
   2. यदि तुमने परिश्रम किया होता, तो पास हो जाते।

7. भविष्यत् काल के तीन प्रकार होते हैं:-

क. सामान्य भविष्यत् काल:-जिस काल के वाक्यों में क्रिया का भविष्य काल में सामान्य रूप से होने का बोध हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं, जैसे:-

   1. हम शिल्पी की शादी में जाएँगे।
   2. हमें आज अपना काम पूरा करना होगा।

ख. संभाव्य भविष्यत् काल:-जिस काल के वाक्यों में क्रिया के भविष्य में होने की संभावना प्रकट की जाती हैं, किंतु क्रिया के संपन्न होने का निश्चय नहीं रहता, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं:-जैसे

   1. भगवान! मेरा स्वास्थ्य ठीक हो जाए।
   2. शायद आज वर्षा हो।

ग. हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल:-जिस काल के वाक्यों में भविष्य में होने वाली क्रिया का होना किसी दूसरी क्रिया पर निर्भर होता हो, वहाँ हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल होता है; जैसे:-

1. अगर सूर्य न निकले तो क्या होगा?
2. मेहनत करोगे तो सफलता पाओगे।

ङ. निम्नलिखित वाक्यों को प्रश्नानुसार काल बदलकर पुनः लिखिए-

1. वे गाना गा चुके होंगे।
2. उसने पाठ याद किया है।
3. दया अपना पाठ लिख रही होगी।
4. वह खाना खा रहा है।
5. हम कल दिल्ली जाएँगे।

च. खाली स्थानों में क्रिया का उचित रूप भरिए -

1. गा 2. लिख 3. धो
4. जाएँगे 5. सफल

पाठ 11 : अव्यय

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) कालवाचक 2. (ब) रीतिवाचक
3. (द) कार्य करने की विधि का

ख. दिए गए क्रिया विशेषणों से रिक्त स्थान भरिए :

1. यथासमय 2. आजकल 3. मत
4. परसों 5. खूब 6. उतना
7. धीरे-धीरे 8. शीघ्र 9. अवश्य
10. जैसे-तैसे

ग. निम्न वाक्यों में से क्रिया विशेषण शब्द छाँटकर खाली स्थान पर लिखिए :

1. ऊपर 2. लँगड़ाकर 3. रफ्तार
4. सदैव, आगे 5. नीचे 6. मंद-मंद
7. रुककर 8. तेज

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. कालवाचक क्रियाविशेषण:-जो क्रियाविशेषण शब्द काल (समय) से संबंधित विशेषता का ज्ञान कराएँ, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण:- सतेन्द्र रोज व्यायाम करता है।
   दिनेश दिनभर क्रिकेट खेलता है।

   रीतिवाचक क्रियाविशेषण:-जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण : गाड़ी धीरे-धीरे चलाओ।
   इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

2. क्रियाविशेषण:-क्रियाविशेषण का शाब्दिक अर्थ है- क्रिया की विशेषता बताने वाला। इस प्रकार, जो शब्द क्रिया को किसी-न-किसी रूप में प्रभावित करते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे- आगे-आगे, कम, तेज, रोज, पास, धीरे-धीरे आदि।

क्रियाविशेषण के चार प्रकार हैं:-

1. कालवाचक क्रियाविशेषण 2. स्थानवाचक क्रिया विशेषण
3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

1. कालवाचक क्रियाविशेषण : जो क्रियाविशेषण शब्द काल (समय) से संबंधित विशेषता का ज्ञान कराएँ, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण : सतेन्द्र रोज व्यायाम करता है।
   दिनेश दिनभर क्रिकेट खेलता है।

2. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण : जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के परिमाण या मात्रा संबंधी विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण : अधिक कार्य मत करो, थक जाओगे।
   लोकेश तुम बहुत कॉफी पीते हो।

3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण : जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण : गाड़ी धीरे-धीरे चलाओ।
   इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

ङ. निम्नलिखित क्रियाविशेषणों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

1. वह शीघ्र ही घर पहुँच गया।
2. ईश्वर सर्वत्र है।
3. अचानक बादल गरजने लगे।
4. मैं प्रतिदिन मंदिर जाता हूँ।
5. कोमल निरंतर मुझे फोन कर रही है।

अभ्यास (पेज 50)

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) संबंधबोधक
2. (स) की तरफ

ख. इनका सही मिलान कीजिए :

1. ग. कृतिका, वर्णिका के समान बुद्धिमान है।
2. च. आज बिना भोजन के रहना पड़ेगा।
3. घ. वे सभी अलग-अलग रहते हैं।
4. ड. श्याम बाजार की ओर आ रहा था।
5. ख. मैं बुराई के खिलाफ हूँ।
6. क. हरीश मंदिर के पास रहता है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को संबंधबोधक शब्दों से पूरा कीजिए :

1. के बाद 2. के सामने 3. के नीचे

4. के अंदर 5. के अलावा 6. के भीतर

घ. अविकारी शब्दों को पहचानकर उनका भेद लिखिए :

1. संबंधबोधक 2. क्रियाविशेषण 3. समुच्चयबोधक
4. विस्मयादिबोधक 5. समुच्चयबोधक 6. संबंधबोधक
7. क्रियाविशेषण 8. विस्मयादिबोधक 9. विस्मयादिबोधक
10. संबंधबोधक

अभ्यास (पेज 52)

क. समुच्चयबोधक अव्यय:-जो अविकारी शब्द दो शब्दों, वाक्यों या वाक्यांशों को परस्पर तोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं।

उदाहरण : यद्यपि, चूँकि, परंतु और किंतु आदि।

ख. समुच्चयबोधक के भेद : इस अव्यय के मुख्य भेद निम्नलिखित हैं :-

1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक:-जिन पदों या अव्ययों द्वारा मुख्य वाक्य जोड़े जाते हैं, उन्हें समानाधिकरण समुच्चयबोधक कहते हैं।

   जैसे : एवं, तथा, तो, और, अथवा, या, अन्यथा, किंतु, परंतु, इसलिए, न आदि।

   उदाहरण:- 1. बड़े एवं छोटे सभी का सम्मान करना चाहिए।
   2. मैं कार से जाऊँगा अथवा रेलगाड़ी से।

2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक:-जिन पदों या अव्ययों के मेल से एक मुख्य वाक्य में एक या अधिक आश्रित वाक्य जोड़े जाते हैं, उन्हें 'व्यधिकरण समुच्चयबोधक' कहते हैं।

   जैसे : यद्यपि, क्योंकि, इसलिए, ताकि, तो, कि, जैसे, अर्थात् आदि।

उदाहरण : 1. तुम खड़े हो जाओ ताकि वह बैठ सके।
2. अजय स्कूल नहीं जा सका क्योंकि बरसात हो रही थी।

ग. रिक्त स्थानों में समुच्चयबोधक अव्यय भरिए :

1. और 2. ताकि 3. पर
4. और 5. लेकिन 6. तो
7. इसलिए 8. अन्यथा 9. नहीं तो

घ. निम्न के प्रयोग से वाक्य बनाइए :

1. मैं घूमना चाहता था लेकिन माँ ने वापिस घर बुला लिया।
2. बच्चा रो रहा था अत: उसे सुला दिया।
3. हालाँकि निशा बीमार है, पर वह खेलने चली गयी।
4. उसे बुखार हो गया क्योंकि उसने ठंडी आइसक्रीम खायी थी।
5. तुम चाय पीओगे अथवा दूध?
6. मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे साथ घूमने चलो।

ङ. निम्न वाक्यों को समुच्चयबोधक द्वारा जोड़िए :

1. सीता आई पर गीता नहीं आई।
2. तुमने कसूर किया है इसलिए सजा तो अवश्य मिलेगी।

3. वह ठीक नहीं हो सका क्योंकि उसने दवाई नहीं ली थी।
4. मैं तुम्हारे लिए पुस्तकें लाऊँगा ताकि तुम पढ़ सको।
5. मैंने तुम्हें पढ़ाया तभी तुम परीक्षा में सफल हुए।

अभ्यास (पेज 54)

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) ठीक, करीब, लगभग
2. (द) काश!, अरे!
3. (अ) केवल आप ही इसके हकदार हैं।

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. असत्य

ग. निम्नलिखित वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित कीजिए तथा लिखिए कि उनमें मन के किन भावों का पता चलता है :-

1. वाह! , हर्षसूचक
2. छिः!, तिरस्कारसूचक
3. क्या!, विस्मयसूचक
4. धिक्!, तिरस्कारसूचक
5. ऐं!, विस्मयसूचक
6. ओह ! भयसूचक
7. अच्छा!, स्वीकृतिसूचक
8. आह!, शोकसूचक

घ. निम्नलिखित विस्मयादिबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. बाप रे बाप ! इतनी भयंकर ठंड पड़ रही है।
2. अरे ! तुम कब आये?
3. बहुत अच्छा! मुझे तुम पर भरोसा है।
4. लो ! यह क्या खबर सुना दी।
5. शाबाश ! तुमने अच्छे अंक प्राप्त किए।

ड. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति विस्मयादिबोधक शब्दों से कीजिए :

1. छिः! 2. हाय! 3. ए!
4. धत्त ! 5. शाबाश! 6. वाह!
7. धिक!

च. विस्मयादिबोधक शब्द वे अविकारी अव्यय हैं, जो शब्द हर्ष, घृणा, क्रोध, ग्लानि, विस्मय, आदि भावों को प्रकट करते हैं; जैसे:-

वाह! क्या खूब खेल रहे हो।

अरे! इतनी जल्दी खाना खा लिया।

छिः! कितने गंदे कपड़े पहन रखे हैं।

ऊपर दिये गये वाक्यों में वाह!, अरे!, छिः!, आदि शब्द मन के भावों को प्रकट कर रहे हैं। इन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं।

पाठ 12 : पद परिचय

नीचे दिए गए वाक्यों में रंगी पदों के पद परिचय दीजिए :

1. रमा:-संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक, क्रिया का कर्ता
2. हम:-उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ताकारक, जाएँगे-क्रिया का कर्ता।
3. खरीद लिया है:-सकर्मक क्रिया, पूर्णभूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन कर्तृवाच्य, क्रिया का कर्ता-मोहन तथा कर्म-कोट।
4. सुंदर:-गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, चित्र की विशेषता।
5. कल:-कालवाचक क्रियाविशेषण, 'पढ़ाने गया' क्रिया की विशेषता।
6. बदले:-व्यतिरेकवाचक संबंधबोधक, संगीता और संजना में संबंधसूचक।
7. इसलिए:-कारणवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक, दो उपवाक्यों को जोड़ने का कार्य, कारण स्पष्ट करना।
8. अजी!:-विस्मयादिबोधक, संबोधनसूचक, संबोधन के भाव को दर्शाने वाला

पाठ 13 : पदबंध

क. पदबंध किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

जब दो या अधिक (शब्द) पद नियत क्रम और निश्चित अर्थ में किसी पद का कार्य करते हैं तो उन्हें पदबंध कहते हैं। पदबंध को वाक्यांश भी कहते हैं।

उदाहरण: सबसे तेज दौड़ने वाला छात्र जीत गया।
यह लड़का अत्यंत सुशील और परिश्रमी है।
नदी बहती चली जा रही है।
नदी कल-कल करती हुई बह रही थी।

ख. वाक्यों में रंगीन पदबंधों के प्रकार लिखो :

1. विशेषण पदबंध
2. क्रियाविशेषण पदबंध
3. क्रिया पदबंध
4. संज्ञा पदबंध

ग. निम्न पदबंधों का वाक्यों में प्रयोग करो :

1. कमरे में सोता हुआ बालक खर्राटे ले रहा है।
2. मेरे अमेरिका वाले बेटे ने मेरे लिए घड़ी भेजी।
3. परिश्रम करने वाला छात्र कभी असफल नहीं होता।
4. आज मुझे मेरे बचपन का साथी मिला।
5. आज माँ दो किलो पिसी हुई लाल मिर्च लायीं।
6. स्टेशन के चारों ओर हरियाली हैं।

पाठ 14 : वाच्य

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. क्रिया के जिस रूप से पता चले कि वाक्य क्रिया कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार आई है, उसे वाच्य कहते हैं।
   उदाहरण : 1. प्रिया पत्र लिखती है।
   2. प्रिया के द्वारा पत्र लिखा जाता है।
2. वाच्य के तीन भेद हैं:-
   1. कर्तृवाच्य, 2. कर्मवाच्य, 3. भाववाच्य

1. कर्तृवाच्य:-जब क्रिया का मुख्य विषय कर्ता हो अर्थात जब क्रिया का संबंध कर्म और भाव से न होकर कर्ता से होता है तो वह वाच्य कर्तृवाच्य होता है। क्रिया के लिंग, वचन तथा पुरुष भी कर्ता के अनुसार ही लगाए जाते हैं।

उदाहरण:- बच्चा खेलता है। बच्चे खेलते हैं। राम दौड़ता है।
रमा खाना खाती है।

2. कर्मवाच्य:-जब क्रिया का विषय कर्ता न होकर कर्म होता है तो वह वाच्य कर्मवाच्य होता है। क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार ही लगाए जाते हैं।

उदाहरण:- राम से काम किया जाता है।
सोहन द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।
धोबी के द्वारा कपड़े धोये गए।

3. भाववाच्य:-जब क्रिया का विषय कर्ता और कर्म न होकर भाव होता है तो वह वाच्य भाववाच्य होता है। क्रिया के लिंग और वचन भी भाव के अनुसार ही लगाए जाते हैं। भाववाच्य केवल अकर्मक क्रियाओं के साथ ही संभव है। उदाहरण: मुझसे चला नहीं जाता।
अध्यापिकाओं से पढ़ाया जाता है।

3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने के नियम:-

1. कर्तृवाच्य के साथ लगी विभक्ति हटा दी जाती है और कर्ता कारक के साथ 'से' या 'के द्वारा' का प्रयोग करना चाहिए।
2. कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया में बदला जाता है और 'जाना' क्रिया के उचित रूप का प्रयोग किया जाता है।
3. कर्म के साथ कोई परसर्ग हो तो उसे हटा दिया जाता है।
4. कर्म को चिह्न रहित करना चाहिए।
5. क्रिया को कर्म के लिंग-वचन पुरुष के अनुसार रखना चाहिए अर्थात कर्म प्रधान बनाना चाहिए।

उदाहरण:- 1. लड़कियाँ बाजार जा रही हैं। (कर्तृवाच्य)
लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है। (कर्मवाच्य)
2. माली फूल तोड़ेगा। (कर्तृवाच्य)
माली द्वारा फूल तोड़े जायेंगे। (कर्मवाच्य)

4. कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाने के नियम :

1. कर्ता के साथ 'से' विभक्ति चिह्न लगा दिया जाता है।
2. क्रिया को सामान्य भूतकाल में लिखकर उसके साथ काल के अनुसार 'जाना' क्रिया रुप जोड़ा जाता है।
3. क्रिया को एकवचन, पुल्लिंग और अन्य पुरुष में परिवर्तित कर दिया जाता है।
4. आवश्यकतानुसार 'नहीं' का प्रयोग होता है।

उदाहरण - 1. दादा जी अब चल नहीं पाते। (कर्तृवाच्य)
दादा जी से अब चला नहीं जाता। (भाववाच्य)

2. गर्मियों में लोग खूब पानी पीते हैं। (कर्तृवाच्य)
गर्मियों में लोगों से खूब पानी पीया जाता है। (भाववाचक)

ख. निम्नलिखित वाक्यों के सामने वाच्य के भेदों के नाम लिखिए :

1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. कर्तृवाच्य
4. कर्मवाच्य 5. भाववाच्य 6. कर्तृवाच्य
7. कर्मवाच्य 8. भाववाच्य

ग. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाक्य में बदलिए :

1. गायकों द्वारा गीत पेश किया गया।
2. चंदू द्वारा नंदिनी को कंप्यूटर सिखाया गया।
3. सारिका द्वारा विज्ञ को राखी बाँधी गयी।
4. मिंटू द्वारा सोहन को गाड़ी चलाना सिखाया गया।
5. हरि द्वारा बालीबॉल खेला जाता है।
6. लौहार द्वारा औजार बनाया जाता है।
7. एम. एफ. हुसैन द्वारा चित्र बनाया गया।
8. हमारे द्वारा शोले फिल्म देखी गयी।

घ. निम्नलिखित वाक्यों को भाववाच्य में बदलिए :

1. हमसे प्रतिदिन नहाया जाता है।
2. मेरी बात सुनकर सभी से हँसा जाता है।
3. बच्चों से शांत बैठा जाता है।
4. पक्षियों से रात में सोया जाता है।
5. क्या उनसे लिखा जाएगा?
6. वृद्ध से अब चला नहीं जा सकता।
7. मुझसे पुस्तक पढ़ी जा सकती।
8. जौहरी से जेवर बनाए जाते हैं।

पाठ 15 : वाक्य विचार

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

1. सार्थक शब्दों का क्रमबद्ध समूह जिससे कोई भाव स्पष्ट हो, वाक्य कहलाता है। जैसे:-मोहन पढ़ने जाता है।
2. वाक्य के दो मुख्य अंग हैं:- 1. उद्देश्य, 2. विधेय
3. अर्थानुसार वाक्य के आठ भेद हैं:-
   1. विधानवाचक वाक्य 2. निषेधात्मक वाक्य
   3. प्रश्नवाचक वाक्य 4. आज्ञावाचक वाक्य
   5. संकेतवाचक वाक्य 6. विस्मयावाचक वाक्य
   7. संदेहवाचक 8. इच्छावाचक वाक्य
   1. विधानवाचक
      उदाहरण:- राम ने बाली को मारा।
   2. निषेधात्मक वाक्य

उदाहरण:-मैं आज घर नहीं जाऊँगा।

3. प्रश्नवाचक वाक्य

   उदाहरण:-राम ने रावण को क्यों मारा ?

4. आज्ञावाचक वाक्य

   उदाहरण:-बड़ों को सम्मान करो।

5. संकेतवाचक वाक्य

   उदाहरण:-अगर वर्षा होगी तो फसल भी होगी।

6. विस्मयादिबोधक वाक्य

   उदाहरण: वाह! तुम आ गये।

7. संदेहवाचक वाक्य

   उदाहरण:-शायद मुझ गांव जाना पड़े।

8. इच्छावाचक वाक्य

   उदाहरण:-भगवान तुम्हें लंबी आयु दे।

4. संकेतवाचक वाक्य:-जिन वाक्यों से एक क्रिया के दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध हो, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। इस प्रकार के वाक्यों में किसी-न-किसी शर्त का उल्लेख होता है।

   उदाहरण:-अगर परिश्रम करोगे तो सफल हो जाओगे।

   संदेहवाचक वाक्य:-जिन वाक्यों से संदेह या शंका का भाव प्रकट होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

   उदाहरण:-वह शायद कल मुझसे मिलने आये।

5. ऐसे वाक्य जिनसे किसी काम के होने या किसी के अस्तित्व का बोध हो, वह वाक्य विधानवाचक वाक्य कहलाता है। विधानवाचक वाक्यों को विधिवाचक वाक्य भी कहते हैं।

   उदाहरण:- 1. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।
   2. भारत हमारा देश है।

6. रचना के अनुसार वाक्य तीन प्रकार के होते हैं:-

   1. सरल वाक्य 2. मिश्रित वाक्य 3. संयुक्त वाक्य

   प्रत्येक का उदाहरण :

   1. सायांश पतंग उड़ा रहा है। (सरल वाक्य)
   2. अबीर खेलकर आया और सो गया। (संयुक्त वाक्य)
   3. अदिति ने कहा कि वह स्कूल नहीं जायेगी। (मिश्र)

7. संयुक्त वाक्य:-जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक सरल वाक्य योजकों (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, अत:, फिर भी, तो, नहीं तो, किंतु, परंतु, लेकिन, पर आदि) से जुड़े हों, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।

   उदाहरण:-वह सुबह गया और शाम को लौट आया।

   उसने बहुत परिश्रम किया किंतु सफलता नहीं मिली।

   मिश्रित वाक्य:-जिस वाक्य में एक से अधिक वाक्य मिले हों, किंतु एक प्रधान उपवाक्य तथा शेष आश्रित उपवाक्य हों, मिश्रित वाक्य कहलाता है।

उदाहरण: 1. यदि अधिक पढ़ोगे तो पास हो जाओगे।
2. सोनू ने बताया कि वह घूमने जायेगा।

ख. सही या गलत का चिह्न लगाइए :

1. ✓ 2. ✓ 3. ✓
4. ✓ 5. ✗

ग. अर्थ के अनुसार वाक्य के भेद पहचानिए :

1. प्रश्नवाचक वाक्य 2. निषेधात्मक वाक्य
3. विधानवाचक वाक्य 4. संकेतवाचक वाक्य
5. संदेहवाचक वाक्य 6. आज्ञावाचक वाक्य
7. विस्मयादिबोधक वाक्य 8. इच्छावाचक वाक्य

घ. नीचे लिखे वाक्यों के उद्देश्य तथा पक्ष जोड़िए :

1. स. वर्ग में सबसे होशियार बच्चा है।
2. द. किताबों से भरा हुआ है।
3. अ. ने बच्चों को जादू दिखाया।
4. य. को ऑस्कर एवार्ड से नवाजा गया था।
5. ब. भारत का स्वर्ग है।

ड. नीचे दिए गए वाक्यों के उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए :

	उद्देश्य	विधेय
1.	जल	ही जीवन है।
2.	बगीचे	में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।
3.	परिश्रम	से ही सफलता मिलती है।
4.	भारत	त्योहारों का देश है।

च. सरल, संयुक्त व मिश्र वाक्य पहचानकर प्रत्येक के सामने लिखिए :

1. सरल वाक्य 2. मिश्रित वाक्य 3. सरल वाक्य
4. संयुक्त वाक्य 5. सरल वाक्य 6. संयुक्त वाक्य

पाठ 16 : वाक्य का रूपांतरण

क. किसी एक वाक्य का रूपांतरण आठों प्रकार के वाक्यों में कीजिए।

छात्र स्वयं करें।

ख. निम्नलिखित वाक्यों को सरल वाक्यों में बदलिए:-

1. मेरी भेंट एक हँसमुख व्यक्ति से हुई।
2. इस बहादुर लड़के ने चोरों को पकड़ने में पुलिस की सहायता की थी।
3. किसान को खेतों में दिन-रात मेहनत करके भी दो वक्त की रोटी नहीं मिल पाती।
4. वह सुंदर और समझदार है।
5. सूर्यास्त होते ही पक्षीगण अपने घोसले की ओर प्रस्थान करने लगे।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए:-

1. माँ बाजार गईं और सब्जी खरीदकर लाईं।
2. दादा जी ने खाना खाया और सोने चले गए।
3. वर्षा शुरू हो गई थी इसलिए सब अंदर चले गए।
4. वह बीमार थी इसलिए समारोह में नहीं पहुँची।
5. मोहन छत पर गया और पतंग उड़ाई।
6. सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

घ. निम्नलिखित वाक्यों को मिश्र वाक्यों में बदलिए:-

1. जो लोग झूठ बोलते हैं, वे मुझे पसंद नहीं है।
2. मेरा विचार है कि आज ट्रेडफेयर घूमने जाएं।
3. यदि पिकनिक पर जाना है तो तैयार हो जाओ।
4. कल स्कूल बंद रहेगा क्योंकि 2 अक्टूबर है।
5. हम जैसे ही घर से बाहर निकले, वैसे ही मूसलाधार वर्षा होने लगी।

पाठ 17 : अलंकार

क. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्वों को अलंकार कहते हैं अर्थात किसी काव्यांश-वाक्यांश की सुंदरता को बढ़ाने वाले शब्द अलंकार होते हैं।

ख. अलंकार का शाब्दिक अर्थ गहना या आभूषण है।

ग. जब किसी शब्द का प्रयोग एक बार ही किया जाता है लेकिन उससे कई अर्थ निकलते हैं तो वह श्लेष अलंकार कहलाता है।

उदाहरण: रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब चून।।
पानी गये न उबरै, मोती मानुष चूना।

यहाँ 'पानी' शब्द का अर्थ विनम्रता, आभा (चमक) तथा जल से जोड़कर दर्शाया गया है।

घ. जब काव्यांश में प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पेड़, पौधे, बादल आदि में मानवीय भावनाओं का वर्णन हो अर्थात निर्जीव चीजों में सजीव होना दर्शाया जाए, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है।

उदाहरण:- 1. मेघ आये बड़े बन-ठन के संवर के।
2. आए महंत बसंत।

ङ. जब किसी वस्तु का वर्णन करने के लिए उससे अधिक प्रसिद्ध वस्तु से गुण, धर्म आदि के आधार पर उसकी समानता की जाती है। तब उपमा अलंकार होता है। उदाहरण : प्रात: नभ था, बहुत नीला शंख जैसे।

जब उपमेय और उपमान में भेद होते हुए भी दोनों में अभिन्नता प्रकट की जाए और उपमेय को उपमान के रूप में दिखाया जाए, तो रूपक अलंकार होता है। उदाहरण : चरण कमल बंदौ हरिराई।

च. नीचे लिखी पंक्तियों में निहित अलंकार का नाम उनके सम्मुख लिखिए :

1. अनुप्रास अलंकार
2. रूपक अलंकार
3. रूपक अलंकार
4. श्लेष अलंकार
5. अनुप्रास अलंकार

छ. नीचे लिखे अंशों में दिए गए अलंकारों को सुमेलित कीजिए :

1. अनुप्रास
2. रूपक
3. उत्प्रेक्षा
4. संदेह
5. रूपक

पाठ 18 : विराम चिह्न

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) प्रश्नवाचक चिह्न 2. (द) - 3. (ब) हंसपद चिह्न

ख. निम्नांकित विराम-चिह्नों के नाम लिखिए :

? प्रश्नवाचक चिह्न
। पूर्ण विराम चिह्न
! विस्मय विराम
० लाघव चिह्न
– निर्देशक चिह्न,
ˆ हंसपद चिह्न (त्रुटि-विराम)
; अद्‌र्ध विराम
:– विवरण चिह्न
, अल्प विराम
( ) कोष्ठक चिह्न

ग. विराम-चिह्नों को उनके संकेत-चिह्नों से मिलाइए :

1. छ 2. ग. 3. ड.
4. ज. 5. झ. 6. क.
7. घ. 8. च. 9. ख.

घ. निम्नलिखित वाक्यों में सही-सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए :

1. अरे! जरा इधर आना।
2. यह रखी हुई खीर है।
3. पिकनिक पर कौन-कौन जाएगा?
4. जियो! खूब जियो।
5. आज तेज हवा चल रही थी।
6. गुरु जी ने सभी बच्चों से कहा, ''परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।''

पाठ 19 : शब्द तथा वाक्य संबंधी अशुद्‌धियाँ

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) शृंखला
2. (स) क्षुब्ध
3. (स) ऐतिहासिक
4. (स) मैं आपसे कल मिलूँगा।
5. (द) तुमको क्या चाहिए ?

6. (द) मेज पर पुस्तक रखी है।

ख. नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. वह दिनभर पढ़ता रहा।
2. यहाँ केवल चार पेड़ है।
3. क्या वह पढ़ते हैं?
4. तुम्हें अवश्य घूमना चाहिए।
5. हम सब अपने गाँव जा रहे हैं।
6. कोयल कू-कू कर रही है।
7. हरीश चुनाव हार गया है।
8. वह कल दिल्ली जा रहा है।

ग. सही वाक्य के सामने सही (✓) तथा गलत वाक्य के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए :

1. ✓ 2. ✗ 3. ✗
4. ✗ 5. ✓

घ. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके खाली स्थान में लिखिए :

व्यवहार	चंचल
आशीर्वाद	पूर्ति
गुंबद	परीक्षा
हथियार	वंदना

ड. शुद्ध तथा अशुद्ध शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए :

शुद्ध : वृक्ष, वैकल्पिक, सेना, कंठ, सृष्टि, गृहस्थी, सूक्ति, पहुँच, चाँदी

अशुद्ध : पृथ्वी, सुक्ति, एश्वर्य, कोन, प्रथक

पाठ 20 : शब्द भंडार

अभ्यास (पेज 80)

क. जो शब्द तत्सम हैं, उनके सामने उनके तत्सम रूप तथा जो तद्भव हैं, उनके सामने उनके तद्भव रूप लिखिए :

अमचूर - आम्रचूर्ण	चंद्रिका - चाँदनी	पूत - पुत्र
युक्ति - जुगति	आशीष - आशिष	दैव - भाग्य
बालू - बालुका	प्रस्तर - पत्थर	ग्वाला - गोपालक
एकल - अकेला	उत्साह - उदाह	स्थल - थल
कोण - कोना	गृहिणी - घरनी	

ख. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए :

अजान - अज्ञान	गेंद - कंदुक	अस्तुति - स्तुति
अखरोट - अक्षेर	गौना - गमन	अदरक - आर्द्रक
किवाड़ - कपाट	अकेला - एकल	ऐसा - ईदृश
क्यों - किंपुनः	ईंधन - इंधन	आधा - अर्द्ध
आँवला - आमलक		

अभ्यास (पेज 82)

क. कोष्ठकों से उचित शब्द चुनकर वाक्य-युग्म के खाली स्थानों में भरिए :

1. दिनेश मुकेश की अपेक्षा अधिक होशियार है।
   तुमने उसकी उपेक्षा करके अच्छा नहीं किया।
2. संगीता एक सच्ची अंगना है। सविता के अँगना में नीम का पेड़ है।
3. रिंकू की परीक्षा का परिणाम कल आएगा।
   इस बाल्टी के पानी का परिमाण लगभग 20 किलोग्राम है।
4. इसका रंग कौए के समान काला है।
   अपने सामान की स्वयं रक्षा करें।
5. इस भुवन को ईश्वर ने बनाया है।
   कृतिका का भवन कितना सुंदर है।

ख. सत्य/असत्य लिखिए :

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. सत्य

ग. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :

1. घिरनी, बंदर, ,
2. सुगंध,दूसरा
3. तरफ, दूसरा, तथा
4. उम्मीद, लापरवाही, ध्यान न देना,
5. थोड़ा, बुढ़ापा,
6. अकेला, इकहरा; खरबूजा जाति का एक फल
7. घर, नक्षत्र
8. शब्द भंडार, खजाना

अभ्यास (पेज 86)

क. निम्नलिखित वाक्यों में कोष्ठक में दिए गए सही शब्दों पर सही का चिह्न (✓) लगाइए :

1. पत्नी 2. व्यर्थ 3. व्याधि
4. गर्व 5. पर्याप्त 6. निद्रा
7. आनंद

ख. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :

1. शत्रुता
2. जलन
3. मूर्ख, गँवार
4. अनपढ़
5. जिसका मूल्य न हो
6. अधिक कीमत वाला
7. रंज
8. तकलीफ
9. फेंककर चलाने वाला हथियार
10. खतरनाक हथियार
11. स्वीकृति
12. आज्ञा
13. मनन करनेवाला व्यक्ति
14. साधु

15. झूठ बोलने वाला
16. छेद, कटाव
17. हँसी
18. कमी
19. भाषण, टीका करना
20. कथन, संबोधन
21. आनेवाला
22. भविष्य में होने वाला
23. महिला, औरत
24. किसी की विवाहिता स्त्री

अभ्यास (पेज 88)

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :-

1. (ब) कृतघ्न 2. (स) प्रदोष 3. (ब) अन्तर्ज्ञान

ख. सही जोड़े बनाइए :

1. च. कुशाग्रबुद्धि 2. ड. समदर्शी 3. घ. आद्योपांत
4. ग. शाश्वत 5. क. कटुभाषी 6. ख. अजर

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखिए :

1. गोद लिया पुत्र
2. व्याकरण का विद्वान
3. जो दिखाई न दो
4. खाने के बाद बचा-खुचा
5. ऐसा आचरण जो मनुष्योचित न हो
6. तीन फल

अभ्यास (पेज 91)

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (अ) गणपति

ख. सही जोड़े बनाइए :

1. घ. संग्राम, लड़ाई,
2. क. प्रारंभ, अथ
3. ख. वरिष्ठ, बड़ा
4. ग. कौम, तंत्र

ग. नीचे दिए गए वर्ग में से शब्द छाँटकर उनको उनके समूहों में वर्गीकृत कीजिए :

अभिप्राय	मतलब	तात्पर्य	मायने
प्रकाश	ज्योति	आलोक	चमक
चाँदनी	चंद्रिका	कौमुदी	ज्योत्सना
झोपड़ी	झुग्गी	झोंपड़ा	कुटिया
पड़ोसी	हमसाया	प्रतिवासी	प्रतिवेशी

घ. निम्नलिखित शब्द-समूहों के सामने उनसे मिलता-जुलता शब्द लिखिए :

1. विद्यालय 2. विनती 3. आश्चर्य
4. छानबीन 5. समुद्र 6. सहानुभूति

अभ्यास (पेज 93)

क. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :

खिलना-मुरझाना, फूल-कांटा, अतिवृष्टि-अनावृष्टि,

तीव्र–मंद,	प्राचीन–नवीन	शुद्धि–अशुद्धि,
आकर्षण–विकर्षण,	रक्षक–भक्षक,	शकुन–अपशकुन,
नीति–अनीति,	आयात–निर्यात,	साकार–निराकार,
सक्षम–अक्षम,	आदर–निरादर,	मोक्ष–बंधन,
चोर–पुलिस,	प्रमुख–गौण,	पात्र–अपात्र

ख. नीचे किए गए शब्दों को उनके विलोम शब्दों सहित दुहरे वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. भविष्यकाल में अकाल (सूखा पड़ने) से फसलों की कमी की समस्या हो सकती है।
2. मेरा अपने पड़ोसियों से कुछ भी लेना-देना नहीं है।
3. बेटी की शादी की तैयारियों में माता-पिता सोना जागना ही भूल गए हैं।
4. जय और पराजय किसी भी खेल के दो हिस्से हैं।
5. आज सर्दियों में बहुत दिनों के बाद सूर्य प्रकट हुआ, नहीं तो बहुत दिनों से सूर्य गुप्त था।
6. भारतीयों ने स्वदेशी वस्तुओं का समर्थन किया, जबकि विदेशी सामान का विरोध किया गया।

ग. इन वाक्यों को विपरीतार्थक करके पुनः लिखिए :

1. मैंने यह मैच द्वारा है।
2. इस बार हमारा व्यय बहुत हुआ है।
3. रामू, अवधेश का स्वामी है।
4. आज हमारी मौखिक परीक्षा है।
5. मैं इस कार्य को करने में समर्थ हूँ।
6. मेरा राशन कार्ड अवैध है।
7. अभय का घर स्थायी है।
8. हमें अपने से बड़ों का निरादर करना चाहिए।
9. यह गाड़ी चार बजे आगमन करेगी।
10. यह प्रश्न बिल्कुल प्राचीन है।

अभ्यास (पेज 96)

क. निम्नलिखित अर्थों के लिए लोकोक्तियाँ लिखिए :

1. यह मुँह और मसूर की दाल।
2. बहती गंगा में हाथ धोना
3. अंधा क्या चाहे दो आँख
4. कहाँ राज भोज, कहाँ गंगू तेली
5. इतनी सी जान, गजभर जुबार

ख. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए :

1. अधिक मूल्य पर उधार बेचने से अच्छा कम मूल्य पर नगद बेचना है।
2. लेने का देना करना।

3. इंसान की कदर काम से होती है, शक्ल-ओ-सूरत से नहीं।
4. अपनी बुराई दिखाई न देना।

अभ्यास (पेज 99)

क. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में अर्थ सहित प्रयोग कीजिए :

1. घड़ों पानी पड़ना-अत्यधिक लज्जित होना-जब पूरे मोहल्ले के सामने मनोज को पुलिस पकड़कर ले गयी तो उसके माता-पिता पर घड़ो पानी पड़ गया।
2. चेहरा खिलना-खुश होना-दसवीं में अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण होने पर मोहित का चेहरा खिल गया।
3. भाँडा फूटना-बेनकाब होना- भाँडा फूटने के डर से पंकज मीटिंग से डरकर चला गया।
4. साँप के बिल में हाथ डालना-मूर्खतापूर्ण कार्य करना, खतरे को दावत देना- सीमा के पति ने बदमाशों से बहस करके साँप के बिल में हाथ डाला है।
5. तिल का ताड़ बनाना-छोटी-सी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकार कहना कोई भी तिल का ताड़ बनाना तो हमारी पड़ोसिन से सीखे।

अभ्यास (पेज 103)

क. हिंदी तथा संस्कृत के कोई तीन-तीन उपसर्ग लिखकर उनसे निर्मित कुछ शब्द बनाइए :

हिंदी के उपसर्ग	निर्मित शब्द	संस्कृत के उपसर्ग	निर्मित शब्द
अ-	अभाव, अज्ञान	अछूता, अटल,	अभि - अभिनंदन,अभिराज, अभिलाप
कु-	कुपुत्र, कुसंगत	कुचक्र, कुचल	उत् - उत्कर्ष, उत्तीर्ण,
सु-	सुडौल, सुफल,	सुघड़, सुजान	प्र - प्रकोप, प्रबल

ख. नीचे लिखे शब्दों में उपसर्ग जोड़कर विलोम शब्द बनाइए :

संभव-असंभव	धर्म-अधर्म	सुंदर-असुंदर
मान-अपमान	शिक्षित-अशिक्षित	ज्ञान-अज्ञान
गुण-अवगुण	जय-पराजय	डर-निडर

ग. 'दार', 'वान', 'आई' तथा 'वाला' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए :

धन-धनवान,	भाग्य-भाग्यवान,
वफा-वफादार,	दर-दरवान,
दाग-दागदार,	धार-धारदार,
कत-कताई,	सिल-सिलवाई,
बुन-बुनाई	बाग-बागवान,
दूध-दूधवाला,	सब्जी-सब्जीवाला,
टोपी-टोपीवाला,	दुकान-दुकानवाला

पाठ 21 : संधि

क. निम्नलिखित संधियों के सही प्रकारों पर सही का चिह्न (✓) लगाइए :

1. व्यंजन 2. व्यंजन 3. स्वर
4. स्वर 5. व्यंजन

ख. सत्य/असत्य-लिखिए :

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. असत्य 6. सत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. स्वरसंधि के तीन उदाहरण :-
   परीक्षा + अर्थी -परीक्षार्थी
   नारी + इंदु - नारींदु
   महा + उत्सव-महोत्सव
   व्यंजन संधि के तीन उदाहरण:-
   अनु + छेद- अनुच्छेद
   दिक् + अंबर-दिगंबर
   षट् + आनन - षडानन
   विसर्ग संधि के तीन उदाहरण:-
   नि:+आशा - निराशा,
   नि: + चय - निश्चय
   दु: + गंध - दुर्गंध
2. स्वरसंधि : दो स्वरों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे स्वर संधि कहते हैं।
   उदाहरण : पुस्तक + आलय - पुस्तकालय
   सदा + एव - सदैव
   व्यंजन संधि : किसी व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं!
   उदाहरण : सत् + आचार - सदाचार
   वाक् + ईश - वागोश।
3. संधि के प्रमुख तीन भेद हैं:-
   1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि।
   1. स्वर संधि : दो स्वरों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे स्वर संधि कहते हैं।
      उदाहरण : पुस्तक + आलय - पुस्तकालय,
      सदा + एव - सदैव
      इति + आदि - इत्यादि
      सु + उक्ति - सूक्ति
   2. व्यंजन संधि:-किसी व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण: सत् + आचार – सदाचार
वाक् + ईश – वागीश
सत् + मार्ग – सन्मार्ग
अनु + छेद – अनुच्छेद

घ. संधि विच्छेद कीजिए :

1. पितृ + अनुमति
2. महा + औषधि
3. देव + ऐश्वर्य
4. पौ + इत्र
5. शे + अन
6. देवी + आलय

ड. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए :

1. सूर्योदय
2. रमेश
3. मात्रानंद
4. यद्यपि
4. गंगोमि

पाठ 22 : समास अभ्यास

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :

1. (द) तत्पुरुष समास
2. (ब) अव्ययीभाव समास
3. (अ) संप्रदान तत्पुरुष

ख. निम्नलिखित सामासिक शब्दों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए :

	सामासिक शब्द	विग्रह	समास
1.	मुखचंद्र	चंद्ररूपीमुख	कर्मधारय समास
2.	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
3.	तुलसीकृत	तुलसी द्वारा रचित	तत्पुरुष समास
4.	नीलकमल	नीला है कमल जो	कर्मधारय समास
5.	अनिश्चित	न निश्चित	तत्पुरुष समास
6.	दोपहर	दोपहरों का समाहार	द्विगु समास
7.	नवग्रह	नौ ग्रहों का समास	द्विगु समास
8.	राजा-रंक	राजा या रंक	द्वंद्व समास

ग. निम्नलिखित शब्दों में समास का प्रयोग करके समस्त पद लिखिए :

1. भवानी-शंकर
2.
3. महात्मा
4. अनादि अनंत
5. यथाशक्ति
6. बिहारीरचित

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. समास:-दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं। जैसे:-'रसोई के लिए घर', इसे हम 'रसोईघर' भी कह सकते हैं।

   इस कथन से शब्द संक्षिप्त हो गया और अर्थ में भी किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं आया। इस संक्षेपीकरण की विधि को समास कहते हैं।

   समास विग्रह:-सामासिक शब्दों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास विग्रह कहलाता है। जैसे-राजा का पुत्र।

विग्रह के बाद सामासिक शब्द गायब हो जाते हैं अर्थात –जब समस्त पद के सभी पद अलग–अलग किये जाते हैं, उसे समास–विग्रह कहते हैं।

2. समास छः प्रकार के होते हैं:–

1. अव्ययीभाव समास	2. तत्पुरुष समास
3. द्वंद्व समास	4. बहुब्रीहि समास
5. द्विगु समास	6. कर्मधारय समास

1. अव्ययीभाव समास की परिभाषा : वह समास जिसका पूर्व पद प्रधान होता है तो ऐसे समास को अव्ययीभाव समास कहते हैं। इस समास का पहला पद अव्यय होता है, जो क्रिया विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है।

   उदाहरण:–यथाक्रम – क्रम के अनुसार,आजन्म – जन्म पर्यंत।

2. तत्पुरुष समास : वह समास जिसके उत्तर पद या दूसरा पद अथवा बाद वाला शब्द, आखिरी शब्द प्रधान होता है। समास में दोनों पदों के बीच का कारक चिह्न लोप अथवा गायब हो जाता है। इस प्रकार के समास को तत्पुरुष समास कहते हैं।

   उदाहरण : गंगाजल–गंगा का जल, गुणहीन–गुणों से हीन

3. तत्पुरुष समास : वह समास जिसके उत्तर पद या दूसरा पद अथवा बाद वाला शब्द/ आखिरी शब्द प्रधान होता है। समास में दोनों पदों के बीच का कारक चिह्न लोप अथवा गायब हो जाता है। इस प्रकार के समास को तत्पुरुष समास कहते हैं।

   उदाहरण : गंगाजल–गंगा का जल, गुणहीन–गुणों से हीन

तत्पुरुष समास में भेद निम्नलिखित है:–

1. कर्म तत्पुरुष समास, माँस का खाने वाला – मांसाहारी
2. करण तत्पुरुष समास, शोक से आकुल – शोकाकुल
3. संप्रदान तत्पुरुष समास, प्रयोग के लिए शाला – प्रयोगशाला
4. अपादान तत्पुरुष समास, रोग से मुक्त – रोगयुक्त
5. संबंध तत्पुरुष समास, भूदान – भू का दान
6. अधिकरण तत्पुरुष समास, आत्मविश्वास – आत्म पर विश्वास

4. बहुब्रीहि समास – वह समास जिसमें कोई भी पद प्रधान न हो, और दोनों पद मिलकर एक नए शब्द का निर्माण करें जो प्रधान हो, तो ऐसे समास को बहुब्रीहि समास कहते हैं।

उदाहरण – पीत है अंबर जिसका वह = पीतांबर

द्विगु समास – ऐसा समास जिसमें अधिकतर पूर्वपद संख्यावाचक हो और इस समास में किसी समूह का बोध हो तो ऐसे समास को द्विगु समास कहते है। इस समास में पूर्व पद संख्यावाचक के अलावा उत्तर पर भी संख्यावाचक हो सकता है।

उदाहरण – सप्ताह = सात दिनों का समूह।

नञतत्पुरुष समास – यदि तत्पुरुष समास में प्रथम शब्द 'न' हो तथा दूसरा शब्द संज्ञा या विशेषण रहे तो नञतत्पुरुष समास होता है। शब्द का पहला वर्ण स्वर हो तो 'न'; 'अन्' में बदल जाता है।

उदाहरण – न इच्छा – अनिच्छा, न उपस्थित – अनुपस्थित